दैनिक

सीहोर जिले का प्रथम दैनिक

K K

RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-22 अंक-47 सीहोर, शुक्रवार 04 अप्रैल 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

खंडवा में कुएं में जहरीली गैस से 8 की मौत, सफाई करने उतरे एक युवक को बचाने में गई जानें

खंडवा, (ए)। जिले के छैगांवमाखन ब्लाक के ग्राम कोंडावत में गणगौर पर्व का उत्साह उस समय मातम में बदल गया। करीब 150 साल पुराने सार्वजनिक कुएं में जवारे विसर्जन के लिए सफाई के लिए कूदे ग्रामीण मौत का शिकार हो गए। मौत के इस कुएं ने एक-एक कर 8 लोगों को आगोश में ले लिया। कुएं में मौजूद जहरीली गैस के कारण लोगों का दम घुट गया। सूचना मिलते ही मौके पर कलेक्टर ऋषव गुप्ता, एसपी मनोज राय सहित पूरा प्रशासनिक व पुलिस अमला मौके पर पहुंचा। कुएं में गैस का प्रभाव कम करने के लिए पानी निकाले जाने के बाद रेस्क्यू टीम एसडीआरएफ के जवानों ने कूदकर लोगों के शव बाहर निकाले। शवों के बाहर निकलते ही गांव में चीख.पुकार मच गई।गुरुवार को ग्रामीण अंचल में गणगौर पर्व के अंतिम दिन रणुबाई को विदाई देने के लिए उत्साह का वातावरण रहा।

झग्राम कोंडावत में भी ग्रामीणों द्वारा माता के रथ बौड़ाए गए थे। इन रथों के विसर्जन से पूर्व गांव में गणगौर माता की पूजा के साथ भंडारे भी हुए। शाम को जवारे विसर्जन की तैयारियां चल रही थीं।

खंडवा जिले में हुई दुर्घटना पीड़ादायक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल(आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खंडवा जिले में हुई दुर्घटना में आठ व्यक्तियों की मृत्यु पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खंडवा जिले के छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव में गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई के लिए उतरे एक व्यक्ति के दलदल में फंसने पर बचाने के प्रयास में एक के बाद एक कुएं में उतरे अन्य 7 व्यक्ति भी दलदल में फंस गए। कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण सभी 8 व्यक्तियों का असामयिक निधन हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस बल, जिला प्रशासन, होम गार्ड्स एवं एसडीईआरएफ की टीम ने जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बैंकॉक के डॉन मुआंग हवाई अड्डे पर आगमन पर अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया।

अब फिर परीक्षा की बारी, वक्फ संशोधन बिल राज्यसभा में पेश

नई दिल्ली(आरएनएस)। वक्फ संशोधन बिल 2024 को बुधवार रात लोकसभा में पारित कर दिया गया था और गुरुवार को इसे राज्यसभा में पेश किया गया। अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को राज्यसभा में पेश करते हुए कहा कि व्यापक चर्चा के बाद तैयार किए गए बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया था। वक्फ को लेकर जेपीसी ने जितना काम किया, उतना काम किसी कमेटी ने नहीं किया। किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के समर्थन में छोटे-बड़े एक करोड़ सुझाव मिले हैं।संयुक्त संसदीय समिति ने 10 शहरों में जाकर विधेयक को लेकर लोगों की राय जानी और 284 संगठनों से बातचीत की गई। आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर को उनपर लगाए आरोपों को साबित करने या पद से इस्तीफा देने की चुनौती दी।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक समाज व देश के हित में नहीं है : संजय राउत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक 2025 पर चर्चा के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि दो दिन से संसद के दोनों सदनों में गरीब मुसलमान की काफी चिंता हो रही है। अचानक इतनी चिंता होने लगी है कि मुझे डर लगने लगा है, मुसलमान भी डरे हैं और हिंदू भी डरे हैं कि गरीब मुसलमान की इतनी चिंता क्यों हो रही है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की इतनी चिंता तो बैरिस्टर मोहम्मद अली जिन्ना भी नहीं करते थे। संजय राउत ने कहा, हमें पहले लगता था कि हम सब मिलकर एक हिंदू राष्ट्र बना रहे हैं। उन्होंने सत्ता पक्ष से कहा, लेकिन यह सब, आपका भाषण देखकर मुझे लगता है कि आप एक हिंदू पाकिस्तान बनाने जा रहे हैं।

पीएम मोदी की थाइलैंड यात्रा , 18वीं सदी की रामायण के भित्ति चित्रों पर आधारित एक विशेष डाक टिकट जारी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री मोदी की थाईलैंड यात्रा के दौरान एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया है। यह डाक टिकट 18वीं सदी की रामायण के भित्ति चित्रों पर आधारित है। पीएम मोदी ने कहा, मैं थाईलैंड सरकार का आभारी हूं कि मेरी यात्रा के उपलक्ष्य में 18वी शताब्दी की 'रामायण' भित्ति चित्रों पर आधारित एक विशेष डाक-टिकट जारी किया गया।इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बैंकॉक पहुंचने पर रामायण के थाई संस्करण रामकियेन को देखा। रामकियेन भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है।पीएम मोदी ने ट्वीट किया, एक अद्वितीय सांस्कृतिक जुड़ाव! थाई रामायण, रामकियेन का एक आकर्षक प्रदर्शन देखा। यह वास्तव में समृद्ध अनुभव था जिसने भारत और थाईलैंड के बीच साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को खूबसूरती से प्रदर्शित किया। उन्होंने लिखा,

रामायण एशिया के इतने सारे हिस्सों में दिलों और परंपराओं को जोड़ता है।द्विपक्षीय चर्चा के बाद थाई प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने पीएम मोदी को एक बेहद खास गिफ्ट दिया। उन्होंने पीएम मोदी को पवित्र ग्रंथ द वर्ल्ड तिपिटका : सज्जया फोनेटिक एडिशन भेंट किया।

बुलडोजर के लिए कानूनी कवर है वक्फ संशोधन विधेयक : मनोज झा

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद मनोज झा ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि गाहे-बगाहे किसी पुरानी मस्जिद के नीचे कुछ चीजें ढूंढी जा रही हैं। इस तरह के माहौल में वक्फ संशोधन विधेयक लाने से सरकार की नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है। विधेयक पर सदन में जारी चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, देश का माहौल कैसा है, इस पर एक नजर डालिए। कभी आर्थिक बहिष्कार की बात की जाती है, पूजा स्थल अधिनियम पर सवाल उठाया जाता है। इस तरह के माहौल में आपके विधेयक के मसौदे और नीयत दोनों पर सवालिया निशान लग जाता है। उन्होंने कहा कि कई बार लगता है कि यह विधेयक बुलडोजर के लिए एक कानूनी कवर है।

भोपाल में बूंदाबांदी, सीहोर-बालाघाट में पानी गिरा

-कई जिलों में छाए बादल, 25 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

भोपाल (ए) । मध्यप्रदेश में गुरवार को भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बालाघाट में सुबह बूंदाबांदी के बाद दोपहर में तेज बारिश हुई। वहीं सीहोर में शाम को रिमझिम बारिश हुई है। भोपाल समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। भोपाल में तो कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से खरगोन, खंडवा, हरदा और बैतूल में ओले गिर सकते हैं। ग्वालियर-जबलपुर समेत आधे एमपी में आंधी और हल्की बारिश होने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, श्योपुर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, अशोकनगर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, सतना, रीवा, मैहर, पन्ना, कटनी, दमोह, सागर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, रायसेन, नर्मदापुरम, सीहोर में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चल सकती है।

मंदसौर-सागर में ओले गिरे, डिंडौरी-छिंदवाड़ा में बारिश

इससे पहले मंदसौर के गरोठ और शामगढ़ में ओले गिरे। सागर के ग्रामीण इलाकों में भी देर रात बारिश के साथ ओले गिरे। जैसीनगर क्षेत्र के कंदेला में इनका आकार बेर के बराबर था। गौरझामर इलाके में भी बारिश हुई। सागर शहर में रात 3 से सुबह 5 बजे के बीच हल्की बारिश हुई। गुरुवार सुबह से धूप-छांव का दौर जारी है। वहीं, डिडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला, सिवनी, उमरिया समेत कई शहरों में बारिश हुई।

ड्रमकांड के बाद चर्चा में आया बैग, सास की हत्या कर बहू ने बैग में छिपाई लाश

मुंबई (आरएनएस)। जिस बहू को करीब 6 महीने पहले सास ने खुशी खुशी ब्याह कर घर लाया था उसी बहू ने सास की कथित रूप से हत्या कर दी। कथित आरोपी महिला का नाम प्रतीक्षा शिंगारे है और वह 22 साल की है। उसने छह महीने पहले आकाश शिंगारे से शादी की थी। आकाश लातूर में एक निजी कंपनी में काम करता है। यह वारदात महाराष्ट्र के जालना जिले में हुई। आरोपी महिला अपनी सास सविता शिंगारे (45) के साथ जालना की प्रियदर्शनी कॉलोनी में किराए के मकान में रहती थी।पुलिस उपनिरीक्षक राजेंद्र वाघ ने बताया कि मंगलवार रात दोनों महिलाओं के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर अपनी सास का सिर दीवार पर पटक दिया और बाद में रसोई के चाकू से उस पर हमला कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर बधाई देकर धन्यवाद ज्ञापित किया

मुख्यमंत्री से मुस्लिम समाज के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से गुरूवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश वक्फ़ बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनवर पटेल के नेतृत्व में मुस्लिम समाज के एक प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने लोकसभा में वक्फ़ बिल पारित होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई और शुभकामनाएं देकर एक स्वर में कहा कि बिल से मुस्लिम समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों को उनका जायज़ हक मिलेगा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि बिल के पारित होने से मुस्लिम समाज की संपत्तियों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त होगी। इससे समाज के कमजोर तबके को न्याय मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि वक्फ़ संपत्तियों के उचित संरक्षण, नियोजन और उनके न्यायोचित उपयोग के लिए सरकार हरसंभव प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए समुचित कदम उठाए हैं। उसी में वक्फ बोर्ड के नियम में इस प्रकार के संशोधन/प्रावधान करना जरूरी थे। वास्तविक गरीब से गरीब आदमी को वक्फ बोर्ड से लाभ मिले, खासतौर पर जरूरतमंद लोगों को। उन्होंने कहा कि कुछ शक्ति सम्पन्न लोगों ने अपने हित में वक्फ की सम्पत्ति पर अवैध कब्जे कर लिए थे, ताकि उनका आधिपत्य और वक्फ की सम्पत्ति पर दखल हमेशा बना रहे। यह ठीक किया जाना जरूरी था। इन सब व्यवस्थाओं में बदलाव के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बड़ी शुरूआत की है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वक्फ़ समिति के अध्यक्ष, सभी पदाधिकरियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने भोपाल शहर के मुस्लिम समाजजनों के बीच इस तथ्य को मजबूती के साथ सबके सामने रखा है। उन्होंने कहा कि समाज के कल्याण और गरीबों को उनका वाजिब हक़ दिलाने के लिए सबके साथ खुले मन से चर्चा करके सबके हित में निर्णय लेना जरूरी था और यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि देश की सबसे बड़ी पंचायत लोकसभा में यह बिल पारित हो गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्य सभा खुलकर चर्चा कर नियम-कानून और व्यवस्था बनाने के लिए ही जानी जाती है।

हर व्यक्ति एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकता, साबित करो कि ग्रीन पटाखों से प्रदूषण नहीं होता : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली , (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पटाखों से होने वाले प्रदुषण के मुद्दे पर सुनवाई की गई है। कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर पूरी तरह से लगाए प्रतिबंध को सही ठहराया। हालांकि कोर्ट में सेंट्रल पॉल्युशन कंट्रोल बोर्ड, ह्श्वश्वक्रढ्ढ, ष्टस्ढ्ढक्र की ओर से पेश रिपोर्ट में कहा गया था कि बाकी पटाखों के मुकाबले ग्रीन पटाखों से 30 फीसदी कम प्रदूषण होता है। इस रिपोर्ट के मद्देनजर पटाखा निर्माता कंपनियों ने छूट की मांग भी की थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जब तक ये साबित नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से न के बराबर प्रदूषण होता है, तब तक बैन के पुराने आदेश में बदलाव का कोई औचित्य नजर नहीं आता।

कोर्ट ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार आर्टिकल 21 के तहत जीने के अधिकार का हिस्सा है। लोगों को स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार है। कोर्ट ने भी पहले जो पटाखों पर बैन का फैसला लिया था, वो भी दिल्ली एनसीआर में प्रदुषण के बेहद खतरनाक स्तर के मद्देनजर लिया गया था। आम आदमी पर इसका क्या असर होता होगा वो समझा जा सकता है कि क्योंकि हर कोई एयर प्यूरीफायर नहीं खरीद सकता। एक बड़ा तबका जो सड़क पर, गलियों में काम करता है, प्रदूषण का असर उस पर सबसे दा ज्यादा होता है। कोर्ट ने पटाखा निर्माता कंपनियों को जिम्मेदारी का एहसास दिलाते हुए कहा कि उनकी भी जिम्मेदारी बनती है कि दिल्ली प्रदूषण रहित रहे. उनकी जिम्मेदारी है कि वो अपने कथित ग्रीन पटाखों की गुणवत्ता में और सुधार करें। सुप्रीम कोर्ट ने ह्रष्टक्र के अंतर्गत आने वालें राज्यों को निर्देश दिया कि राज्य पटाखों पर बैन के लिए प्रभावी कदम उठाएं। राज्य सरकारें ऐसी मशीनरी बनाएं जो बैन का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करे। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली और हरियाणा ने पटाखों की ऑनलाइन बिक्री के आदेश पर पालन किया है।

संसद में नहीं हूं वरना अकेला ही काफी था , ऑपरेशन के बाद AIIMS में भर्ती लालू यादव की वक्फ बिल पर संसद तक गूंज

नई दिल्ली (आरएनएस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव खराब तबीयत के कारण दिल्ली के एम्स में दाखिल हैं। जानकारी के अनुसार उनकी पीठ के घावों का ऑपरेशन हुआ, जो कि सफल रहा है। इस बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके अकाउंट से एक पोस्ट किया गया है। पोस्ट में लिखा, संघी-भाजपाई नादानोंज्तुम मुसलमानों की जमीनें हड़पना चाहते हो लेकिन हमने सदा वक्फ की जमीनें बचाने के लिए कड़ा कानून बनाया है और बनवाने में मदद की है। उन्होंने कहा कि मुझे अफसोस है कि अल्पसंख्यकों, गरीबों, मुसलमानों और संविधान पर चोट करने वाले इस कठिन दौर में संसद में नहीं हूं अन्यथा अकेला ही काफी था। सदन में नहीं हूं तब भी आप लोगों के ख्यालों, ख्वाबों, विचारों और चिंताओं में हूं, यह देखकर अच्छा लगा। अपनी विचारधारा, नीति और सिद्धांतों पर प्रतिबद्धता, अडिगता और स्थिरता ही मेरे जीवन की जमा पूंजी है। वहीं, वक्फ संशोधन बिल को लेकर राज्यसभा में सरकार की ओर से कहा गया कि यह विधेयक देशहित में है। इसका मकसद जमीन माफिया पर रोक लगाना है। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संसद के उच्च सदन में कहा कि मौजूदा वक्फ कानून का दुरुपयोग हो रहा था, जिससे मुसलमानों को नुकसान और भूमि माफियाओं को लाभ मिल रहा था। यह विधेयक किसी विशेष पार्टी या वोट बैंक को ध्यान में रखकर नहीं लाया गया, बल्कि वक्फ संपत्तियों के उचित प्रबंधन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए है।

झारखंड के पलामू में 12 साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद पत्थर से कुचलकर हत्या

पलामू ,(आरएनएस)। झारखंड के पलामू में 12 वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म के बाद उसकी पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई। बुधवार की देर रात आरोपी टिंकू शर्मा के घर से बच्ची का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। इसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने आरोपी की जमकर पिटाई की।

घटना के खिलाफ बुधवार और गुरुवार को स्थानीय लोगों ने आक्रोशपूर्ण प्रदर्शन किया। बच्ची शहर के कांदू मोहल्ले की रहने वाली थी। वह मानसिक रूप से थोड़ी कमजोर थी।

बुधवार की दोपहर वह घर के पास से लापता हो गई। घर वालों ने कई जगहों पर उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। इस बीच मोहल्ले के टिंकू शर्मा ने बताया कि बच्ची उसके पास आई थी और आम मांग रही थी। उसने उसे उसी समय वापस घर भेज दिया था।

लोगों ने मोहल्ले में कुछ स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे तो उसमें टिंकू शर्मा बच्ची को अपने साथ लेकर जाता दिखा। उससे लोगों ने पूछताछ की तो वह तरह-तरह के बहाने बनाता रहा।

शुक्रवार 04 अप्रैल 2025,सीहोर

दैनिक क्षितिज किरण 2

कुशल वित्तीय प्रबंधन से संभव हो रहा है, विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार सुशासन के मूल भाव को कर रही साकार

-राज्य सरकार-प्रदेशवासी और अधिकारी-कर्मचारी एकजुट-एकभाव होकर प्रगति पर हो रहे हैं अग्रसर

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों को साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है। राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है।विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणीती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी- कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रदेश को प्राप्त हो रही उपलब्धियों का श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया है। हमारी सरकार नवीन पहलों के माध्यम से उद्योगों के लिए निरंतर सकारात्मक वातावरण बना रही है। राज्य सरकार विकास के लिए प्रदेश से जुड़ने वाले उद्योगों से किये

गये अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की देनदारियों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। जेनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों के कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है।

मंत्री श्री सारंग ने राजेंद्र नगर में स्टेडियम का किया भूमिपूजन

क्षेत्र में क्लस्टर बनाकर नये खिलाड़ियों का करेंगे निर्माण - विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल (विलक्षण सक्सेना)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को नरेला विधानसभा के वार्ड 37, राजेंद्र नगर में नवीन स्टेडियम के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक आधुनिक खेल परिसर का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेल और शारीरिक गतिविधियाँ युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के नागरिकों को व्यायाम के साथ ही युवाओं को खेल सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे वे अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल संचालक राकेश गुप्ता, संयुक्त संचालक बी.एस. यादव, खेल प्रेमी एवं गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि यह स्टेडियम क्षेत्र के युवाओं और खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ी सौगात है। यहाँ विभिन्न खेलों के लिए विशेष सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयासरत है और इसी क्रम में क्षेत्र में खेल मैदानों का उन्नयन किया जायेगा साथ ही क्लस्टर बनाकर नये खिलाड़ियों के निर्माण का प्रयास करेंगे। मंत्री श्री सारंग ने जानकारी देते हुए बताया कि स्टेडियम का निर्माण लगभग 8 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में किया जाएगा।

थाना बागसेवनिया पुलिस द्वारा मोबाईल चोरो का किया पर्दाफाश

भोपाल (आरएनएस)। शहर में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण हेतु पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त भोपाल अवधेश कुमार गोस्वामी के दिशा निर्देशों पर एवं पुलिस उपायुक्त डॉ संजय कुमार अग्रवाल, अति. पुलिस उपायुक्त एम.एस.मुजाल्दे एंव सहायक पुलिस आयुक्त डॉ रजनीश कश्यप द्वारा भोपाल जिले में लगातार हो रहे नकबजनी में टीम बनाकर आरोपियो की तलाश पतारसी कर प्रभावी कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया है । दौराने विवेचना घटना स्थल का निरीक्षण किया गया घटना स्थल के आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरो का बारीकी से निरीक्षण किया गया पृथक- पृथक पुलिस टीम बनाकर आरोपियान एवं माल मशरुका की तलाश कराई गई लगातार टीम द्वारा तलाश हेतु हर संभव प्रयास एवं तकनीकी साक्ष्य व मुखबिर की सूचना पर हबीबगंज नाका ब्रिज के पास से दो एक महिला व एक लडके को चोरी के मोबाईल बेचने की फिराक के समय अभिरक्षा में लिया गया जो पूछताछ दौरान थाना बागसेवनिया के 06 मोबाईल एवं थाना गोविन्दपुरा के 02 मोबाईल व अन्य थाना क्षेत्र के 08 मोबाईल मिले है जिनकी कुल कीमत 2,70,000/- का मशरूका जप्त की गई है व अन्य चोरी के मामलो मे पूछताछ की जा रही है।

10 जल विद्युत गृहों ने उत्पादित की 2757 मिलियन यूनिट बिजली : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

भोपाल (निप्र)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश नियामक आयोग द्वारा निर्धारित वार्षिक उत्पादन लक्ष्य को पार करते हुए बेहतरीन प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2694 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। जल विद्युत गृहों ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 2757 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया। जल विद्युत गृहों द्वारा वर्ष 2020-21 के बाद यह उपलब्धि हासिल की। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की जल विद्युत उत्पादन क्षमता 915 मेगावाट है मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के इस उपलब्धि में 90 मेगावाट स्थापित क्षमता के रानी अवंतीबाई सागर जल विद्युत गृह बरगी, 160 मेगवाट स्थापित क्षमता के पेंच जल विद्युत गृह तोतलाडोह, 315 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-एक टोंस जल विद्युत गृह सिरमौर, 20 मेगावाट स्थापित क्षमता के बाणसागर-4 जल विद्युत गृह झिन्ना, 45 मेगावाट स्थापित क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह और 60 मेगावाट स्थापित क्षमता के मरहीखेड़ा जल विद्युत गृह ने प्रमुख योगदान दिया।

महिला बैंककर्मी को डेढ़ साल तक बनाया हवस का शिकार, 3 लाख की रकम भी ऐंठी

शादी तय होने के बाद आरोपी ने किया इंकार

भोपाल (ए.)। शहर की पिपलानी थाना पुलिस ने इलाके में रहने वाली एक महिला बैंककर्मी की शिकायत पर युवक के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। आरोप है की दोस्ती होने के बाद आरोपी ने उसे शादी करने का झांसा देकर करीब डेढ़ साल तक न सिर्फ उसका दैहिक शोषण किया बल्कि उससे करीब तीन लाख रुपए भी ऐंठ लिए। बाद में दोनों की शादी भी तय हो गई थी। लेकिन बाद में आरोपी ने शादी करने से इंकार कर दिया। इसके बाद मामला थाने पहुंचा जहॉं पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बलात्कार व अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उसकी धरपकड़ के प्रयास शुरु कर दिये है। थाना पुलिस के अनुसार इलाके में रहने वाली 29 साल की युवती ने अपनी शिकायत में बताया की वह बैंक में नौकरी करती हैं। कुछ साल पहले उनकी मुलाकात अशोका गार्डन क्षेत्र में रहने वाले तरुण धाड़से नामक यवुक से हुई थी। तरुण प्राइवेट नौकरी करता था, लेकिन उससे पहचान के कुछ समय पहले से वह बेरोजगार चल रहा था, और नौकरी की तलाश में था। पीड़िता ने पुलिस को आगे बताया की एक दूसरे का व्यवहार पंसद आने पर जल्द ही उनकी जान पहचान दोस्ती में बदल गई और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे।

01667/01668 रानी कमलापति-हडपसर-रानी कमलापति साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन 12-12 ट्रिप

भोपाल मंडल के रानी कमलापति,नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 01667/01668 रानी कमलापति - हडपसर - रानी कमलापति साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (12-12 ट्रिप) चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी।

गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति - हडपसर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन 12 ट्रिप

गाड़ी संख्या 01667 रानी कमलापति - हडपसर विशेष ट्रेन दिनांक 10 अप्रैल 2025 से 26 जून 2025 तक प्रत्येक गुरुवार को रानी कमलापति स्टेशन से सुबह 08:35 बजे प्रस्थान कर, (उसी दिन) मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 09:33 बजे नर्मदापुरम, 10:00 बजे इटारसी, 10:58 बजे हरदा एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद अगले दिन 00.30 बजे हडपसर स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी संख्या 01668 हडपसर - रानी कमलापति साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन (12 ट्रिप)

गाड़ी संख्या 01668 हडपसर - रानी कमलापति विशेष ट्रेन दिनांक 11 अप्रैल 2025 से 27 जून 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 06:30 बजे हडपसर स्टेशन से प्रस्थान कर, उसी दिन मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए 19:03 बजे हरदा, 21:00 बजे इटारसी, 21:28 बजे नर्मदापुरम एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव के बाद उसी दिन रात 22:55 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। गाड़ी के हाल्ट: रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी जंक्शन, हरदा, खंडवा जंक्शन, भुसावल जंक्शन, मनमाड जंक्शन, कोपरगांव, अहमदनगर, दौंड चॉर्ड लाइन, हडपसर स्टेशनों पर रुकेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indian-rail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

निगरानी शुदा बदमाश नशे में कर रहे थे हंगामा, विरोध करने पर युवक को चाकू मारा

- फरार बदमाश पर दर्ज है 28 प्रकरण

भोपाल (ए.)। ऐशबाग थाना इलाके में स्थित अफकार कॉलोनी में शराब पीकर हंगामा करने वाले निगरानी बदमाशों का विरोध करने पर आरोपियो ने युवक के साथ मारपीट करते हुए उस पर चाकू से हमला कर दिया। हाथ में चाकू लगने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना पुलिस के मुताबिक फरियादी अमन रजा (16) निवासी अफकार कॉलोनी ऐशबाग ने अपनी शिकायत में बताया की वह गोविंदपुरा स्थित एक बेकरी में काम करता है। उसकी कॉलोनी में रहने वाले आकिब बच्चा और फैजान आदतन और थाने के निगरानीशुदा बदमाश हैं। मंगलवार देर रात दोनों बदमाश शराब पीकर हंगामा करते हुए कॉलोनी में रहने वाले लोगों के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। उनकी हरकतें देख अमन रजा ने उन्हें समझाइश देते हुए वहॉ से जाने को कहा। उसकी बात पर बदमाशों को गुस्सा आ गया और और उन्होनें अमन के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान ही बदमाश आकिब बच्चा ने अपने पास रखा चाकू निकालकर अमन पर वार कर दिया।

30 वर्षो से हमीदिया अस्पताल में निशुल्क सेवा प्रदान करता प्रेरणा सेवा ट्रस्ट

डॉक्टर विजय वर्मा एवं डॉक्टर जीवन लाल मीणा को ट्रस्ट द्वारा संक्षिप्त कार्यक्रम में सम्मानित किया गया

भोपाल (निप्र)। भोपाल शहर के हमीदिया अस्पताल परिसर में स्थित, निर्धन एवं रोगियों की सेवा में पिछले 30 वर्ष के कार्यरत प्रेरणा सेवा ट्रस्ट, मरीजों एवं उनके तीमारदारों को कई तरह की सहायता प्रदान करता है। जिसमें दोनों वक्त का भोजन ,चाय -नाश्ता ,कपड़े ,दवाइयां जांचें ,व्हीलचेयर, वॉकर ,कंबल इत्यादि बांटे जाते हैं। इसके अतिरिक्त मरीजों हेतु दलिया, खिचड़ी एवं दूध गर्म करने ,ठंडे एवं गर्म पानी की व्यवस्था है। अस्पताल से छुट्टी होने पर मरीजों एवं शव को घर छोड़ने हेतु एंबुलेंस उपलब्ध है । हमीदिया प्रशासन से समय-समय पर मांग की जाने पर व्हीलचेयर, स्ट्रेचर ,सर्जिकल स्टील ड्रम, कूलर इत्यादि प्रदाय किए जाते रहे हैं। इस वर्ष कूलर प्रदाय करने हेतु हमीदिया अस्पताल के सहायक अधीक्षक द्वय डॉक्टर विजय वर्मा एवं डॉक्टर जीवन लाल मीणा को ट्रस्ट द्वारा संक्षिप्त कार्यक्रम में सम्मानित किया गया एवं कूलर प्रदान किए गए । सहायक अधीक्षक द्वय ने ट्रस्ट परिसर का अवलोकन किया एवं ट्रस्ट द्वारा प्रदान की जा रही सभी प्रकार की सेवाओं इत्यादि के बारे में जानकारी ली। ट्रस्ट ने अधीक्षक द्वय को अवगत कराया की हमीदिया प्रशासन की अनुशंसा पर मरीजों को व्हीलचेयर, मेडिकल, जांचें ,दवाइयां आदि उपलब्ध कराई जाती है। जिन मरीजों का कोई तीमारदार नहीं होने की सूचना मिलने पर, ट्रस्ट द्वारा देख-रेख की जावेगी। इस अवसर पर ट्रस्ट की संरक्षक श्रीमती प्रकाश कौर खनूजा, अध्यक्ष श्रीमती रश्मि बाबा, कोषाध्यक्ष विजय कुमार जैन, शिवमंगल सिंह (पूर्व न्यायाधीश) प्रमोद चुग, श्याम शरण अग्रवाल, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, के एल गोदानी, विनोद जैन और श्री जुनेजा सहित सभी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के सदस्य शिव मोहन माथुर द्वारा किया गया।

भारतीय रेल का नया कीर्तिमान, बीते वित्त वर्ष में बनाए 7,134 कोच

-2014 से 2024 के बीच कोच उत्पादन का आंकड़ा 54,809 पहुंचा

-आम आदमी का ध्यान रखकर नॉन एसी कोचों के उत्पादन में वृद्धि

-कोच निर्माण में दुनिया का अग्रणी देश बनकर उभरा भारत

भोपाल (निप्र)। भारतीय रेल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7,134 कोचों का निर्माण कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह संख्या पिछले वर्ष 6,541 कोचों के उत्पादन की तुलना में करीब 9 प्रतिशत अधिक है। आम आदमी का ध्यान रखते हुए गैर वातानुकूलित कोचों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए पिछले वित्त वर्ष में 4,601 नॉन एसी कोच का उत्पादन हुआ। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारतीय रेल की उत्पादन क्षमता में लगातार हो रही वृद्धि को दर्शाती है, जो बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। इससे रेल सेवाएं अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और कुशल बनेंगी। जिससे यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव मिलेगा। भारतीय रेल की तीन कोच निर्माण इकाइयां हैं। जिसमें तमिलनाडु के चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पंजाब के कपूरथला में रेल कोच फैक्ट्री और उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मॉडर्न कोच फैक्ट्री शामिल है। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री ने वर्ष 2024-25 में पिछले उत्पादन रिकॉर्ड को तोड़ते हुए 3,007 कोच का उत्पादन किया है।

वर्ष 2024-25 में भारतीय रेल की कोच निर्माण इकाइयों द्वारा कोच उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई ने वर्ष 2023-24 में 2,829 कोचों का निर्माण किया था, जो 2024-25 में बढ़कर 3,007 हो गया है, यानी 178 कोचों की वृद्धि दर्ज की गई है। रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला द्वारा वर्ष 2023-24 में 1,901 कोच बनाए गए थे, जबकि 2024-25 में इसका आंकड़ा बढ़कर 2,102 कोच हो गया है, जिससे 201 कोचों की बढ़ोत्तरी हुई है। इसी प्रकार, मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली ने वर्ष 2023-24 में 1,684 कोचों का निर्माण किया था, जो 2024-25 में बढ़कर 2,025 कोच हो गया है। इस इकाई द्वारा 341 कोचों की सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है। यह आँकड़े भारतीय रेल की उत्पादन क्षमता और मांग के अनुसार संसाधन विस्तार के सकारात्मक संकेत प्रदान करते हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारतीय रेल ने कोच निर्माण क्षेत्र में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की है। 2004 से 2014 के बीच प्रति वर्ष औसतन 3,300 कोच के करीब था। वहीं 2014 से 2024 के बीच कोच उत्पादन का आंकड़ा रिकॉर्ड बढ़ोतरी के साथ 54,809 पहुंच गया, जिसका औसत 5,481 कोच रहा है। कोच निर्माण क्षेत्र में यह वृद्धि भारतीय रेल द्वारा आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में निर्णायक है। इसका उद्देश्य घरेलू निर्माण क्षमता को मजबूत करना, आयात पर निर्भरता को कम करना और रेलवे संरचना में अत्याधुनिक तकनीक को अपनाना है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर पहुँचकर स्व. अरविंद जोशी को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि।

विविध-समाचार

इटारसी स्टेशन पर जबलपुर-अमरावती एक्सप्रेस के समय में परिवर्तन

भोपाल (ए.)। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर गाड़ी संख्या 12160 (जबलपुर-अमरावती एक्सप्रेस) के समय में आंशिक संशोधन किया गया है। यह संशोधन यात्रियों की सुविधा और समयबद्ध संचालन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने जानकारी दी कि यह नया समय 07 अप्रैल 2025 से प्रभावी होगा। पूर्व निर्धारित समयानुसार यह गाड़ी इटारसी स्टेशन पर रात्रि 01:20 बजे आगमन और 01:30 बजे प्रस्थान करती थी। अब संशोधित समय के अनुसार यह गाड़ी 01:15 बजे इटारसी पहुंचेगी और 01:25 बजे प्रस्थान करेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व गाड़ी की समय-सारणी की पुष्टि NTES/139 या रेलवे की अधिकृत वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in से अवश्य कर लें।

मध्यप्रदेश में ऐतिहासिक फैसलाः बेटी से दुष्कर्म के अपराधी को तीन बार फांसी की सजा

भोपाल (आरएनएस)। बेटी के साथ दुष्कर्म करने वाले अपराधी को तीन प्रकरणों के आधार पर तीन बार फांसी की सजा मिली है, जो भविष्य में अपराध करने वालों के लिए मिसाल बनेगी। हमारी मध्यप्रदेश सरकार किसी भी अपराधी को छोड़ने वाली नहीं, ऐसे अपराधियों को सजा दिलाकर पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है, सीएम मोहन यादव।

सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक का बदमाश ने स्मार्टफोन लूटा

भोपाल(ए.)। राजधानी के हबीबगंज थाना इलाके में सड़क किनारे खड़े होकर रैपिडो बुक कर रहे युवक को धक्का देकर अज्ञात बदमाश उसका कीमती स्मार्टफोन छीनकर तेजी से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार फरियादी आकाश त्रिपाठी ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की बुधवार रात करीब 11 बजे वह सड़क किनारे खड़े होकर मोबाइल हाथ में पकड़कर रैपिडो बुक कर रहा था। उसी समय अज्ञात बदमाश तेजी से आया और उसे धक्का देते हुए हाथ में पकड़ा 30 हजार कीमत का फोन छीनकर भाग गया। इससे पहले युवक कुछ संभल पाता आरोपी वहॉं से भाग चुका था। शिकायत मिलने पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर पुलिस उसकी पहचान जुटाने के लिये घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाल रही हैं। वहीं फरियादी द्वारा बताये गये हुलिये के आधार पर भी पुलिस इलाके के सदिंग्धो सहित ऐसे आरोपियो की कुंडली खंगाल रही है, जो मोबाइल लूट की वारदातो को अंजाम दे चुके है, और हाल ही में जेल से बाहर आये है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी की पत्रकारवार्ता

भोपाल(आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लघंन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफसख्त कार्रवाई की मांग की वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा , पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की । पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रहें ।

सेना के सेवानिवृत्त सूबेदार की मौत

भोपाल (आरएनएस)। हाउसिंग बोर्ड करोंद, इंद्रा आश्रय कॉलोनी के निवासी और सेना से रिटायर्ड सूबेदार विनय किशोर त्रिपाठी का बीते 1 अप्रैल की रात अचानक स्वास्थ्य बिगड़ने से निधन हो गया। रात करीब 11 बजे उन्हें अचानक उल्टियां होने लगीं और वे बेहोश हो गए। इस पर उनके पिता चंद्र प्रकाश त्रिपाठी तुरंत उन्हें मिलिट्री अस्पताल बैरागढ़ ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उनकी हृदय गति रुक चुकी थी।घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिजनों और पड़ोसियों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद शव को हमीद अस्पताल की मॉर्च्युरी भेजा गया। 3 अप्रैल को पोस्टमॉर्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया।

विनय किशोर त्रिपाठी दिसंबर 2021 में भारतीय सेना से सूबेदार पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके बच्चे बेंगलुरु में पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी पुणे में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

स्कूलों की मनमानी पर प्रदेश सरकार का अंकुश क्यों नहीं-विवेक त्रिपाठी

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारवार्ता को संबोधित कर प्रदेशभर में निजी स्कूलों द्वारा की जा रही मनमानी और नियमों का उल्लघंन कर अत्यंत महंगी किताबों और ड्रेस की अपनी चहेती (कमीशन देने वाली) दुकान से बिक्री तथा फीस वृद्धि के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की वहीं त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजा, पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने हेतु तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की। पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु जिम्मेदार अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्यवाही नहीं कर रहें । जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं, जिसको दृष्टिगत रखते हुए हम शासन से निम्नलिखित मांग करते हैं एनसीईआरटी की किताबों को 1st क्लास से ही अनिवार्य किया जाए, वहीं नर्सरी केजी-1 केजी 2 की किताबों में 5 वर्ष तक किसी भी बदलाव पर अंकुश लगे ताकि बार-बार अभिभावकों पर महंगी किताबों का आर्थिक बोझ न पड़े। 2. स्कूलों द्वारा चुनिंदा दुकानों से खरीददारी कराने पर रोक लगे और इस पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पोर्टल पर किताबों की सूची तत्काल डाली जाएं। 3. नियम विरुद्ध मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो 10 प्रतिशत का नियम कढ़ाई से लागू हो।

नगर निगम का आठ हजार करोड़ का बजट पेश, सिंहस्थ को लेकर सड़कों पर फोकस, नया टैक्स नहीं, क्या-क्या होगा?

इंदौर (ए.)। इंदौर नगर निगम ने गुरुवार को 8 हजार 174 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। शहर की प्रमुख सड़कों को चौड़ा करने के लिए डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नर्मदा के चौथे चरण के लिए भी बड़ी राशि आवंटित की गई है।

इंदौर नगर निगम का बजट कार्यक्रम शुरू हो चुका है। गुरुवार सुबह अटल बिहारी वाजपेयी परिषद सभागृह अटल सदन में बजट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस साल नए टैक्स का प्रावधान नहीं किया गया है और पुराने टैक्स में भी वृद्धि नहीं की गई है। 8 हजार 174 करोड़ का बजट है जिसमें कई विकास योजनाएं हैं।

बिल घोटाले पर भिड़े नेता

बजट सत्र शुरू होते ही कांग्रेस और भाजपा पार्षदों के बीच बजट पर हंगामा हुआ, खासतौर पर फर्जी बिल घोटाले को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने आरोप लगाए। इस बार नगर निगम क्षेत्र में 29 गांवों में सीवरेज और ड्रेनेज लाइन का काम भी किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस कार्य के लिए 300

करोड़ रुपये की राशि जारी की है।

बजट से पहले ही शुरू हो गया हंगामा

सुबह 11 बजे नगर निगम सभागृह सदन की कार्रवाई शुरू हुई। सभापति मुन्ना लाल यादव ने पहले दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सदन की कार्रवाई दस मिनट के लिए स्थगित कर दी। बैठक शुरू होते ही कांग्रेस पार्षदों ने फर्जी बिल घोटाले का मुद्दा उठाया। भाजपा के पार्षद बजट के मुद्दे पर बात करने के लिए जोर देते थे और हंगामा शुरू हो गया। इसके बाद मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बजट भाषण पढ़ा। उन्होंने कहा कि इस बार कोई नया कर नहीं लगाया और न ही कर में वृद्धि की गई है।

एक हजार करोड़ का राजस्व मिला

इस साल निगम ने एक हजार करोड़ का राजस्व एकत्र किया है। इस बार बजट में सड़क निर्माण पर ज्यादा फोकस किया जाएगा। तीन साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के मद्देनजर शहर में कई मार्गों को जोड़ा किया जाएगा। इंदौर में 30 से ज्यादा मास्टर प्लान सड़कों को चौड़ा किया जाना है। इस प्रोजेक्ट पर ही डेढ़ हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

धनपुरी में नशे के तीन सौदागर गिरफ्तार, लाखों की नशीली दवाएं जब्त, पूछताछ जारी

शहडोल (ए.)। शहडोल जिले की धनपुरी थाना पुलिस ने नशीली सामग्री की तस्करी करने वाले गिरोह पर बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नशीली दवाइयां, मोबाइल, मोटरसाइकिल समेत करीब 2 लाख 15 हजार रुपए का सामान जब्त किया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान सुमित शर्मा (33) पिता लालमणि शर्मा, निवासी वार्ड नं. 5, कटकोना, थाना बुढार, राजकुमार पाल (30) पिता प्रेमदास पाल, निवासी वार्ड नं. 24, कछियान टोला, धनपुरी और सौरभ सिंह बघेल, निवासी शहडोल के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुमित शर्मा और राजकुमार पाल मुक्तिधाम नरगड़ा नाला, धनपुरी के पास अवैध नशीली दवाइयों की बिक्री कर रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में टीम गठित कर दबिश दी गई। इस दौरान टीम ने उनके पास से 14 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप (ओनरेक्स और विन्क्रेक्स) कीमत 2,760 रुपए, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटी जब्त की है।

परिवहन घोटाले के आरोपी सौरभ शर्मा को जमानत, कांग्रेस ने सरकार पर साधा निशाना, जलाया पुतला

उमरिया (ए.)। प्रदेश में बहुचर्चित परिवहन घोटाले के मुख्य आरोपी सौरभ शर्मा को कोर्ट से जमानत मिलने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। इस मुद्दे पर जिला कांग्रेस कमेटी ने गांधी चौक उमरिया में प्रदर्शन कर पुतला दहन किया। पार्टी नेताओं ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि जिस आरोपी के पास से 52 किलो सोना और अरबों रुपये की नगदी बरामद हुई, उसे इतनी आसानी से जमानत मिलना हैरानी की बात है।

कांग्रेस नेताओं का कहना है कि शासन की ओर से अदालत में मजबूत पक्ष नहीं रखा गया, जिससे आरोपी को राहत मिल गई। सरकार महाघोटाले के आरोपियों और उनके सहयोगियों को बचाने की कोशिश कर रही है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोपी की जमानत को न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करने वाला बताया।

पृथ्वीराज चौहान गुर्जर थे, राजपूत नहीं, अधिकारियों पर इतिहास को विकृत करने का आरोप

इंदौर (ए.)। गुर्जर समाज ने आईडीए पर पृथ्वीराज चौहान के इतिहास को विकृत करने का आरोप लगाया है। आईडीए द्वारा लगाई जा रही प्रतिमा पर सही नाम लिखने के लिए समाज के लोगों ने ज्ञापन दिया। समाज के लोगों का कहना है कि पृथ्वीराज चौहान गुर्जर थे, न कि राजपूत, इसलिए प्रतिमा स्थल पर वीर गुर्जर क्षत्रिय समाज के महापुरुष गुर्जर सम्राट पृथ्वीराज चौहान लिखा जाए। समाज के लोगों ने एडवोकेट मुकेश भड़ाना गुर्जर, एडवोकेट मनवीर चौहान गुर्जर, इंदौर महानगर गुर्जर परिषद अध्यक्ष केप्टन प्रेमसिंह गुर्जर, सुबेदारसिंह गुर्जर, मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में कमिश्नर, कलेक्टर, आईडीए सीईओ और निगमायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

निरंजनपुर चौराहे पर लग रही है प्रतिमा

समाज के द्वारा दिए गए ज्ञापन में मांग की गई है कि

आईडीए द्वारा निरंजनपुर चौराहा पर समाज के महापुरुष पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा लगाई जा रही है, उसमें समाज के इतिहास को विकृत करने की कोशिश की जा रही है। गुर्जर सम्राट पृथ्वीराज के समकालीन कवियों चंद वरदाई और जयानक द्वारा रचित पृथ्वीराज रासो और पृथ्वीराज विजय महाकाव्यम के ऐतिहासिक तथ्यों, दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश में कहा गया है कि वीर गुर्जर क्षत्रिय समाज के महापुरुष के ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ न की जाए।

अनदेखी की तो समाज में रोष फैल जाएगा

समाज के लोगों ने अधिकारियों को बताया गया कि उनके शिलालेख में उन्हें गुर्जर सम्राट पृथ्वीराज चौहान ही लिखा जाए, ताकि ऐतिहासिक तथ्यों की अनदेखी न हो और समाज के लोगों में रोष न फैले।

ज्ञापन में उन्होंने कहा कि समाज द्वारा गुर्जर आरक्षण आंदोलन के संघर्ष में वीर गुर्जर क्षत्रिय अपने अधिकारों के लिए किस तरह 72 गुर्जर शहीद होने के बाद भी डटे रहे और अपना हक लेकर ही हटे।

पंचकोशी यात्रा की तैयारी, पड़ाव स्थलों की व्यवस्था देखने बुलेट से निकले कलेक्टर-एसपी, दिए यह निर्देश

उज्जैन (ए.)। धार्मिक नगरी उज्जैन में 118 किलोमीटर की पंचकोशी यात्रा आगामी 23 अप्रैल से शुरू होने वाली है। आस्था की इस यात्रा में श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो, इसे सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को प्रशासनिक अधिकारियों का दल यात्रा के पड़ाव स्थलों का निरीक्षण करने पहुंचा। यात्रा की व्यवस्थाओं में कोई कमी न रहे, इसलिए कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बुलेट पर सवार होकर यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया। इस दौरान वे त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि 23 अप्रैल से पंचकोशी यात्रा की शुरुआत होने वाली है, जिसे लेकर सभी अधिकारी पंचक्रोशी यात्रा मार्ग के भ्रमण पर निकले हैं। यह यात्रा आस्था की यात्रा है, जो पांच दिनों तक चलती है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए हर संभव व्यवस्था की जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि उन्होंने त्रिवेणी शनि मंदिर पर यात्रा की तैयारियों का निरीक्षण किया है। साथ ही अधिकारियों के साथ मिलकर अन्य पड़ाव स्थलों का भी जायजा लिया।

उज्जैन एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि 118 किलोमीटर की यह यात्रा गर्मी के मौसम में काफी कठिन होती है, क्योंकि श्रद्धालु इसे पैदल पूरा करते हैं। इस दौरान कई पड़ाव स्थल आते हैं, जहां पुलिस की मुस्तैदी के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखना होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए हम यात्रा के सभी पड़ावों का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि श्रद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम किए जा सकें।

पुलिस ने पिकअप से नागपुर ले जाए जा रहे सात मवेशियों को छुड़ाया, चार तस्करों को किया गिरफ्तार

सिवनी (ए.)। सिवनी जिले में मवेशी तस्करी के खिलाफ पुलिस ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक पिकअप वाहन से सात मवेशियों को छुड़ाया और चार तस्करों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई बंडोल पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-44 स्थित अलोनिया टोल टैक्स के पास की।

सूचना पर अलोनिया टोल टैक्स के पास पहुंची पुलिस ने एक पिकअप वाहन को रोका, जिसमें छह नाटा (बैल) और एक बछड़ा क्रूरतापूर्वक बंधे हुए पाए गए। उनके सींग, मुंह,

गला और पैर रस्सियों से कसकर बांधे गए थे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि इन मवेशियों को नागपुर स्थित कत्लखाने ले जाया जा रहा था। पुलिस ने वाहन में सवार चार तस्करों को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान विनोद टेंभरे (37)वाहन चालक, आकाश भंवर (24), राजेश बरकड़े (26) और आकाश मड़ावी (22) के रूप में हुई है। सभी आरोपी बरघाट थाना क्षेत्र के ग्राम मऊ के निवासी बताए जा रहे हैं।

मवेशी और वाहन जब्त, केस दर्ज

पुलिस ने मवेशियों और पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। जब्त किए गए वाहन और मवेशियों की अनुमानित कीमत 8.25 लाख रुपये बताई जा रही है। सभी आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई का नेतृत्व थाना प्रभारी अर्पित भैरम ने किया।

व्यापार समाचार

अमेरिकी टैरिफ का भारत को भी होगा नुकसान , जानिए कौन-कौन से सेक्टर होंगे सबसे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय समय के अनुसार आज सुबह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय निर्यात पर 26 फीसदी टैरिफ का ऐलान कर दिया है। भारत समेत दुनिया के कई बड़े देशों में ये अमेरिकी टैरिफ लगने जा रहा है। इससे भारत के कई सेक्टर में नुकसान हो सकता है। इनमें टेक्सटाइल, ज्वेलरी, इलेक्ट्रॉनिक इत्यादि सेक्टर को शामिल किया गया है। ट्रंप ने ये रेसिप्रोकल टैरिफ उन देशों पर लगाया है, जो अमेरिका के मुताबिक उनसे अच्छा खासा टैरिफ वसूल रहे थे। जो भी देश अमेरिका से आई वस्तुओं पर टैरिफ वसूल रहा था। अब अमेरिका भी उन देशों से उतना ही टैरिफ लेगा।

पीपीएफ खातों में नॉमिनी का विवरण अपडेट करने या जोड़ने के लिए नहीं लगेगा कोई शुल्क, जानें इस बारे में

नई दिल्ली (ए.)। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) खातों में नॉमिनी का नाम अपडेट करने या जोड़ने के लिए अब कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सरकार ने अधिसूचना जारी कर इससे जुड़े जरूरी बदलाव कर दिए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसकी जानकारी दी है।

वित्त मंत्री के अनुसार, पीपीएफ खातों में नामांकित व्यक्ति के विवरण को अपडेट या संशोधित करने के लिए वित्तीय संस्थानों की ओर से शुल्क लगाया जा रहा है, ऐसी जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि पीपीएफ खातों के लिए नामांकित व्यक्तियों के विवरण अपडेट करने से जुड़े किसी भी शुल्क को हटाने के लिए 2 अप्रैल, 2025 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से सरकारी बचत संवर्धन सामान्य नियम 2018 में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, सरकार की ओर से संचालित लघु बचत योजनाओं के लिए नामांकन रद्द करने या उसमें बदलाव करने के लिए लिया जाने वाला 50 रुपये का अब शुल्क समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, "हाल ही में पारित बैंकिंग संशोधन विधेयक 2025, जमाकर्ताओं के धन, लॉकर में रखे गए सामान और सुरक्षा लॉकरों के लिए अधिकतम 4 व्यक्तियों को नामित करने की अनुमति देता है।"

विधेयक में एक और बदलाव बैंक में किसी व्यक्ति के 'पर्याप्त हित' शब्द को फिर से परिभाषित करने से जुड़ा है। इस सीमा को मौजूदा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये करने की मांग की गई है। पांच लाख रुपये की राशि लगभग छह दशक पहले तय की गई थी।

इस कानून में सहकारी बैंकों में निदेशकों (अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशक को छोड़कर) का कार्यकाल 8 वर्ष से बढ़ाकर 10 वर्ष करने का भी प्रावधान है, ताकि इसे संविधान (97वें संशोधन) अधिनियम, 2011 के अनुरूप बनाया जा सके।

ट्रंप के टैरिफ से और महंगा होगा सोना

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी टैरिफ की वजह से जहां दुनियाभर के शेयर बाजार और कंपनियों में मायूसी है। वहीं सर्राफा बाजार में रौनक है, क्योंकि ग्लोबल ट्रेड वॉर गहराने की आशंका से सुरक्षित निवेश के नजरिये से सोने की कीमतें उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार टैरिफ की घोषणा के बाद सोने की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को छू सकता है। दरअसल, बैंक ऑफ अमेरिका ने गोल्ड पर अपना टारगेट प्राइस बढ़ा दिया है। वहीं कई विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें आने वाले कुछ महीनों में 3500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। अगर वैश्विक विशेषज्ञों की मानें तो भारतीय बाजार में सोने का भाव 99000 से 99500 के स्तर तक जा सकता है।

अमेरिकी रेसिप्रोकल टैरिफ : एशियाई बाजार गिरे धड़ाम, जापान को सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली (ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ (पारस्परिक टैरिफ) लगाने की घोषणा के बाद गुरुवार को एशियाई बाजारों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन पर 34 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 26 प्रतिशत और जापानी वस्तुओं पर 24 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। जापान के निक्की 225 में करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई और व्यापक टॉपिक्स सूचकांक में 3.32 प्रतिशत की गिरावट आई।हांगकांग में, हैंग सेंग सूचकांक में 2.43 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि मुख्य भूमि चीन के शंघाई कंपोजिट सूचकांक में 0.91 प्रतिशत की गिरावट आई।चीन पर नई पारस्परिक दर मौजूदा टैरिफ में जोड़ी जाएगी, जो कुल 20 प्रतिशत होगी, जिसका अर्थ है कि चीनी वस्तुओं पर वास्तविक टैरिफ दर 54 प्रतिशत है।दक्षिण कोरिया में, कोस्पी सूचकांक

में 1.29 प्रतिशत की गिरावट आई, जो 3 प्रतिशत से अधिक के नुकसान को कम करती है। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 शुरुआती कारोबार में 1.17 प्रतिशत नीचे था। सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं और 3,153.92 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थीं।

भारतीय शेयर बाजार अभी खुलने बाकी थे।अमेरिका में, एसएंडपी 500 0.67 प्रतिशत बढ़कर 5,670.97 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.87 प्रतिशत बढ़कर 17,601.05 पर बंद हुआ।30 शेयरों वाला डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 235.36 अंक बढ़कर 42,225.32 पर बंद हुआ। एलन मस्क द्वारा संचालित टेस्ला के शेयरों में 5.3 प्रतिशत की तेजी आई।

शेयर बाजार की गिरावट में नई लिस्टेड कंपनियों का निकला दम, 50 प्रतिशत अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय शेयर बाजार में पिछले साल सितंबर से शुरुआत हुई गिरावट में नई लिस्टेड आधी से अधिक कंपनियों के शेयर प्राइस अपने इश्यू प्राइस से नीचे फिसल गए हैं। पिछले वित्त वर्ष में करीब 78 कंपनियों के आईपीओ आए थे, जिन्होंने संयुक्त रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये का फंड जुटाया था। इनमें से करीब 34 कंपनियों के शेयर अपने इश्यू प्राइस से नीचे आ चुके हैं। वहीं, 10 शेयर जो कि डिस्काउंट पर लिस्ट हुए थे, अभी भी इश्यू प्राइस के नीचे कारोबार कर रहे हैं। इसके अलावा, बाकी के 24 शेयर जो उच्चतम स्तर पर खुले थे, अपनी बढ़त खो चुके हैं। गोदावरी बायोरिफाइनरीज, कैरारो इंडिया और वेस्टर्न कैरियर्स इंडिया के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं।

उत्तर रेलवे की रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि

नई दिल्ली (आरएनएस)। उत्तर रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान रेल परिचालन और यात्री सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। इस वर्ष नई रेल सेवाऐं शुरू की गई, मौजूदा सेवाओं की यात्री वहन क्षमता में वृद्धि की गई,जो यात्रियों के लिए कनेक्टिविटी और सुविधा में सुधार पर उत्तर रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान उत्तर रेलवे के नेटवर्क में कुल सात नई ट्रेनें, (दो वंदे भारत और पांच एक्सप्रेस ट्रेनें) शामिल की गईं। अधिक गंतव्यों को कवर करने के लिए छह ट्रेनों (चार एक्सप्रेस और दो पैसेंजर ट्रेनें) को यात्रा विस्तार भी दिया गया। तीन रेलगाड़ियों के फेरों में वृद्धि की गई। जिससे यात्रियों को अधिक यात्रा विकल्प मिलने से लाभ हुआ। वंदे भारत ट्रेनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, वंदे भारत ट्रेनों के चार सेटों की यात्री क्षमता 16 डिब्बों से बढ़ाकर 20 डिब्बों तक कर दी गई, जबकि एक सेट की क्षमता 8 डिब्बों से बढ़ाकर 16 डिब्बों तक कर दी गई। विशेष रेलगाड़ियों के

परिचालन में तेजी से वृद्धि हुई । उत्तर रेलवे परिक्षेत्र पर कुल 13,658 विशेष ट्रेनें चलाई गई, जो पिछले वर्ष की 4,487 रेलगाड़ियों की तुलना में काफी अधिक है। इनमें ग्रीष्म एवं शीतकालीन अवकाश, होली, दिवाली व छठ-पूजा इत्यादि पर्वों के दौरान चलाई गई रेलगाड़ियां शामिल हैं। विशेष रेलगाड़ियों की संख्या में वृद्धि से यात्रियों के आवागमन में सुधार हुआ, जिसमें शरदकालीन अवकाश विशेष रेलगाड़ियों की सेवाओं में 50.18% और होली स्पेशल रेलगाड़ियों की सेवाओं में 46.29% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

भारत को घुसपैठ से राहत मिलेगी

आप्रवास और विदेशियों विषयक विधायक 2025 अंतत: लोक सभा से पारित हो गया। इधर के दिनों में विशेषकर भारत में बांग्लादेश में रोहिंग्या की भारी घुसपैठ के कारण इस विधायक की जरूरत ज्यादा ही महसूस की जा रही थी। कुछ एजेंटों तथा सक्रिय निहित स्वार्थ के कारण इन दोनों समुदायों के लोग भारत में आकर न केवल भारतीय पहचान पत्र बनवाने में सफल हो जाते हैं बल्कि अपने लिए अस्थाई और अस्थाई अजीविका भी तलाश लेते हैं। अगर मामला यहीं तक सीमित होता तब भी गनीमत थी, लेकिन इन समुदायों के लोग सामान्य से लेकर गंभीर अपराधों तक और यहां तक की भारत-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त पाए गए हैं। भारत सरकार तथा भारतीय हितों के पोषक लोग लंबे समय से इनके खतरे के प्रति आगाह भी करते रहे हैं और इसे नियंत्रित करने के प्रयासों पर चर्चा करते रहे हैं। इन्हीं सब की परिणति है यह नया विधेयक। इस विधेयक पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह की इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी यहां चला आए, बस जाए और बिना किसी रोक-टोक के जो मन आए करता रहे। वास्तविक समस्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की नहीं बल्कि उनकी है जो उनके आगमन को संभव बनाते हैं। उनके रहने और रोजगार की व्यवस्था करते हैं और फिर उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों का हिस्सा बनते हैं।अब देखना है कि इस नाम इस कानून के लागू होने के बाद किस तरह से घुसपैठियों पर रोक लगेगी और किस तरह से उनके विरु द्ध कार्रवाई होगी जो भारत में घुसपैठ को सुगम बनाते हैं। याद रखना चाहिए कि इन घुसपैठियों की मदद करने वाले तथा इन्हें भारत में बसने के दस्तावेज उपलब्ध कराने वालों का एक वृहद तंत्र है जो समूचे भारत में फैला हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री ने इस घुसपैठ को रोकने में सहयोग करने का आरोप पश्चिम बंगाल की सरकार पर भी लगाया है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पास जो आधार कार्ड मिलते हैं वह पश्चिम बंगाल में 24 परगना जिले के होते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि यह नया कानून और गृह मंत्री के प्रयास सही परिणति तक पहुंचेंगे, भारत को घुसपैठ से राहत मिलेगी और धर्मशाला खाली होगा।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के सम्मान समारोह को संबोधित किया.

वक्फ विधेयक को समझना: मिथब नाम उजागर किये गए तथ्य

-वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ भ्रामक जानकारी फैलाने के अभियान का पर्दाफाश

हर्षरंजन

कुछ राजनीतिक संस्थाओं और मुस्लिम समुदाय के भीतर निहित स्वार्थी समूहों द्वारा जानबूझकर अशांति का वातावरण बनाने के लिए भ्रामक जानकारी फैलाने के कारण, वक्फ संशोधन विधेयक 2024 विवाद का विषय बन गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने और वक्फ संपत्तियों के शासन को सुव्य वस्थित करने के उद्देश्य से बनाए गए इस विधेयक को इन समूहों द्वारा इतना अधिक विकृत किया गया है कि इसकी मूल पहचान ही बदल गयी है। ये निहित स्वार्थ से भरे समूह समुदाय के कल्याण की तुलना में अपने स्वयं के विशेषाधिकारों की रक्षा करने को लेकर अधिक चिंतित हैं।

संशोधन के पीछे का सच

इस विधेयक का विरोध मुख्य रूप से उन लोगों द्वारा किया जा रहा है, जो लंबे समय से वक्फ संस्थानों में पारदर्शिता की कमी से लाभान्वित हुए हैं। ऐतिहासिक रूप से, कुछ समूहों ने वक्फ संपत्तियों पर महत्वपूर्ण नियंत्रण बनाए रखा है और उनकी पहचान सर्वविदित है। उनका विरोध धार्मिक अधिकारों से जुड़ी वास्तविक चिंताओं से नहीं, बल्कि वर्षों से कुप्रबंधित अकूत संपत्तियों और वित्तीय संसाधनों पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की इच्छा से प्रेरित है। यदि उनके इरादे वास्तव में समुदाय के कल्याण से जुड़े थे, तो क्या वे बता सकते हैं कि वक्फ संपत्तियों से होने वाली आय में साल दर साल लगातार गिरावट क्यों आ रही है

इसमें से सबसे बड़ी विकृतियों में से एक का दावा है कि यह विधेयक सरकार को वैध वक्फ संपत्तियों को जब्त करने में सक्षम बनाता है। वास्तव में, संशोधन केवल जिला कलेक्टर को गलत तरीके से वर्गीकृत संपत्तियों की समीक्षा करने का अधिकार देता है, खास कर ऐसे मामलों में जहां सरकारी या निजीभूमि को गलत तरीके से वक्फ की संपत्ति का

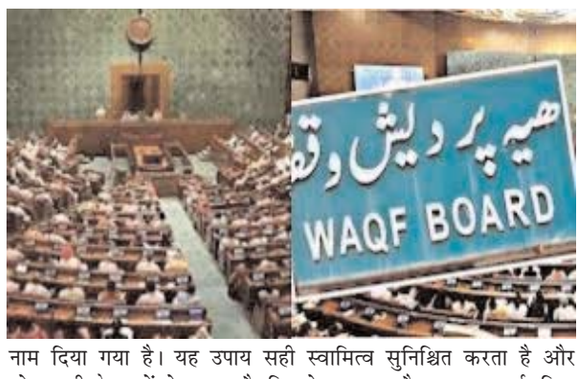

नाम दिया गया है। यह उपाय सही स्वामित्व सुनिश्चित करता है और धोखाधड़ी के दावों से बचाता है, जिससे समुदाय और व्यापक सार्वजनिक हित दोनों को लाभ होगा।एक और व्यापक रूप से फैलाया गया मिथक यह है कि विधेयक वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण को समाप्त कर देता है। इसके विपरीत, यह जिला कलेक्टर को जिम्मेदारी सौंपकर प्रक्रिया को मजबूत करता है, जो स्थापित राजस्व प्रक्रियाओं का उपयोग करके सर्वेक्षण पूरा करेंगे, जिससे निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा अशुद्धियों और संभावित हेरफेर को समाप्त किया जा सकेगा।

विरोधियों के पाखंड को उजागर करना

इस विधेयक के सबसे मुखर आलोचक वे हैं, जो लंबे समय से वक्फ संपत्तियों के प्रमुख लाभार्थी रहे हैं। उनका विरोध इन संपत्तियों पर बने अपने वित्तीय साम्राज्यों की रक्षा करने से जुड़ा एक सुनियोजित कदम है। इन संगठनों ने ऐतिहासिक रूप से वक्फ संसाधनों पर एकाधिकार बनाए रखा है तथा वे समुदाय के वंचित वर्गों के लिए निर्धारित धनराशि का अपने स्वयं के एजेंडों के लिए उपयोग करते रहे हैं।पाखंड बहुत बड़ा है! वे मुस्लिम समुदाय के हितों की वकालत करने का दावा करते हैं, जबकि उन्होंने दशकों से व्यक्तिगत लाभ के लिए वक्फबोर्डों में हेर फेर कियाहै। भारत में कई वक्फ बोर्ड इन समूहों से जुड़े व्यक्तियों द्वारा संचालित हैं, जोरा जनीतिक और वित्तीय लाभ के लिए इन निधियों का गलत इस्तेमाल करते रहे हैं। इस अनियंत्रित गलत इस्तेमाल को संशोधन समाप्त करना चाहता है, जिससे वे सुधार के सबसे मुखर विरोधी बन गये हैं।

वक्फ को सच्चे लाभार्थियों के लिए मजबूत करना

चुनिंदा समूहों के एकाधिकार को तोड़ने के अलावा, यह विधेयक सुन्नी, शिया, बोहरा, आगाखानी और पिछड़े मुस्लिम समुदायों सहित विभिन्न मुस्लिम संप्रदायों के प्रतिनिधित्व को अनिवार्य करके समावेशी भावना को बढ़ाता है, जिससे वक्फ संपत्तियों का निष्पक्ष और लोकतांत्रिक शासन सुनिश्चित होगा। इसके अलावा, वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम विशेषज्ञों को शामिल करने से मुस्लिम नियंत्रण को खतरा नहीं है, बल्कि इससे जवाब देही बढ़ती है और कुप्रबंधन को रोकने में बाहरी निगरानी की सुविधा प्राप्त होती है।इस विधेयक में वित्तीय ऑडिट और पारदर्शी लेखा पद्धतियों को भी शामिल किया गया है, ताकि वक्फ कोष का दुरुपयोग रोका जा सके। समय-समय पर रिपोर्टिंग की आवश्यकताएँ और वक्फ न्यायाधिकरण के निर्णयों के विरुद्ध उच्च न्यायालयों में अपील करने की सुविधा कानूनी निगरानी को और मजबूत करेगी, जिससे वक्फ संपत्तियों द्वारा अपने इच्छित उद्देश्य पूरा करना, जरूरतमंदों को लाभ पहुँचाना और भारत की समृद्ध समन्वयकारी विरासत को संरक्षित करना सुनिश्चित होगा।

सुधार की आवश्यकता

उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ प्रावधान को हटाने की सरकार की पेशकश वक्फ संपत्ति के दावों में अस्पष्टता को समाप्त करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रावधान का दुरुपयोग बिना औपचारिक वक्फ समर्पण के भूमि पर अवैध रूप से दावा करने के लिए किया गया है, जिससे अंतहीन कानूनी विवाद और भूमि अतिक्रमण हुए हैं। पंजीकरण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, संशोधन निजी और सार्वजनिक दोनों प्रकार की भूमि को गलत दावों से बचाता है, यह सुनिश्चित करता है कि केवल कानूनी रूप से घोषित वक्फ संपत्तियों को ही मान्यता मिले।

आपदा-विपदा में परस्पर सहयोग हो

हरिशंकर व्यास

म्यांमार में भयावह भूकंप आया! शायद ही कभी मालूम पड़े कि हजारों मरे या लाखों! लाखों का जुमला इसलिए है कि 7.7 तीव्रता के झटकों की मौतों, घायलों और बरबादी का म्यांमार में हिसाब रखने वाला है कौन यह वह देश है, जहां दशकों से भेड़ियों का सैनिक शासन है। लोग बेचारे बौद्ध हैं और वे आजादी के बाद से ज्यादातर समय तानाशाही में जी रहे हैं। इनमें वह कोई जिंदादिली, गुर्दा नहीं है जो बतौर मनुष्य अपने आप पर सोच सकें कि वे कैसे जी रहे हैं। कथित ताकतपूर्ण सैनिक शासन के बावजूद म्यांमार के कई इलाकों में अलग-अलग नस्ली, बागी संगठनों के शासन बाड़े हैं। इसी के चलते थाईलैंड की सीमा से लगे इलाके में चीनी माफियाओं, अपराधी गिरोहों के ऐसे सेंटर हैं, जहां इंडोनेशिया, फिलीपीन, भारत आदि के बेरोजगार लड़के-लड़कियां नौकरी के झांसे में फंसे बंधुआ हैं। उनसे फोन करवा फ्रॉड होता है। फिर रोहिंग्या मुसलमानों के इलाके हैं, जहां से लाखों लोगों को सेना ने म्यांमार से भगाया है। वे बांग्लादेश के शरणार्थी कैंपों से लेकर भारत में मुंबई, दिल्ली तक फैले हुए हैं।

बहरहाल, भूकंप की खबर आई तो म्यांमार की मदद के लिए कोई नहीं दौड़ा। कहीं चिंता नहीं हुई। खबर में बैंकॉक के विजुअल ज्यादा दिखे। इसलिए क्योंकि पहली बात म्यांमार के सैनिक तानाशाहों ने दुनिया से नाता नहीं रखा है। उनकी पटरी चीन, रूस जैसे तानाशाह देशों से ही पटती है। फिर देश में मीडिया के नाम पर जो है वह सरकारी है। म्यांमार विश्व बिरादरी में अछूत है। इसलिए भूकंप की खबर के बाद वैश्विक प्रतिक्रिया में यह भाव था आया होगा भूकंप, हमें क्या लेना!

ध्यान रहे चीन, रूस और भारत के मदद के लिए आगे आने जैसी बातों का अर्थ नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सैनिक शासन के प्रमुख से बात कर म्यांमार की मदद में 'ऑपरेशन ब्रह्मा' के जुमले में राहत सामग्री भेजने की जो हेडलाइन बनाई है उसका वैसा ही अर्थ है, जैसे नेपाल में भूकंप के बाद भारत की मदद थी, जिससे नेपाल में हल्ला हुआ 'थोथा चना बाजे घना'!

तभी सोचें, भारत के पड़ोसियों और दक्षिण एशिया के देशों की दशा पर! सभी देश अपने को ऐसे बाड़ों में कनवर्ट किए हुए हैं, जो भीड़ के कारण चिन्हित है मगर बाजार के रूप में। दक्षिण एशिया की समस्याओं, गरीबी, जलवायु परिवर्तनों, आपदाओं-विपदाओं, आपसी और अंदरूनी कलह जैसे पहलुओं से बाकी दुनिया का विशेष सरोकार नहीं है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि दक्षिण एशिया का हर देश अपने आपको तुर्रम खां मानता है। जैसे म्यांमार अछूत है वैसे ही अफगानिस्तान अछूत है। अफगानिस्तान के तालिबान ने अपने बाड़े से गैर-मुसलमानों को भगाया तो म्यांमार ने उधर मुसलमानों को खदेड़ा। अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों इस्लामी देश हैं और कल भी खबर थी कि खैबर पख्तूनख्वा में तहरीके तालिबान ने पाकिस्तानी सैनिकों को मारा। म्यांमार और श्रीलंका दोनों बौद्ध बहुल हैं और दोनों एक दूसरे प्रति सर्द हैं। भारत और नेपाल हिंदू बहुल हैं मगर नेपाल काफी हद तक अब चीनपरस्त है। बांग्लादेश में क्या हो रहा है, इसका हमें ताजा अनुभव हैं। उसके पास अब चीन की पूंछ पकड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

दक्षिण एशिया के देशों में जहां रिश्ते ठूंठ, संवेदनहीन, अविश्वासी हैं वही अब डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद जाहिर है कि मानवीयता में मदद के उस वैश्विक कुबेर के दरवाजे बंद हैं, जिसने दूसरे महायुद्ध के बाद दान, दया और दयालुता की भी एक विश्व व्यवस्था बनाई थी।

इस अनहोनी के वैश्विक मायने हैं तो दक्षिण एशिया के लिए भी हैं। बांग्लादेश में लाखों रोहिंग्या शरणार्थी हैं। उनकी मदद के लिए सन् 2007 से अब तक अमेरिका कोई 2.7 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च कर चुका है। डोनाल्ड ट्रंप ने उस विभाग-एजेंसी को ही खत्म कर जिया है, जिससे दुनिया भर को दान या मदद जाती थी। इस एजेंसी का चालू वर्ष में 58 अरब डॉलर का बजट था। ट्रंप ने एक झटके में एजेंसी पर ताले लगा दिए। तय मानें अमेरिका द्वारा हाथ खींच लेने के बाद संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएनओ) की एजेंसियां भी मदद के मामले में कंगली हो जानी हैं। जब दुनिया का सबसे अमीर देश अमेरिका बदल गया है और उसे प्रभाव और पुण्यता की चिंता नहीं है तो बाकी अमीर देश भी अपने हाथ खींचेंगे। रोहिंग्या तब कैंपों से भाग किधर आएगे भारत में!

तो न म्यांमार के भूकंप पर कोई फिक्र और रोहिंग्या की चिंता। ऐसे ही पश्चिम एशिया के गाजा में इजराइल बनाम हमास की लड़ाई में बेघर और बेमौत मरते लोगों पर गौर करें। क्या वहां के मनुष्यों की कोई चिंता करते हुए है सही है वे मुसलमान हैं और मुसलमान के साथ कुछ भी हो वह दोनों मायनों में एक ही भाव लिए हुए है। एक तरफ इस्लामी धर्म गुरू जाकिर नाईक दलीलें बनाते हुए होंगे कि अल्लाह की यही प्लानिंग है तो दूसरी तरफ राय होगी ये इसी लायक हैं। तभी हैरानी नहीं है जो न इजराइल पसीज रहा है और न हमास पसीजा है। हमास हो या उसके पीछे का ईरान या कोई भी मददगार, उसे इतना तो सोचना चाहिए था कि जब सब खंडहर हो गया है, रमजान के समय में भी राशन का टोटा है तो सभी यहूदी बंधकों की रिहाई कर अपने लोगों को सांस लेने दें।

इससे भी बड़ा अहम सवाल बगल के मिस्र, जोर्डन, सऊदी अरब, कुवैत, खाड़ी देशों पर है। क्या इनमें फिलस्तीनियों के यहां जैसे भी हो खाने-पीने के सामान को पंहुचाने की जिद्द नहीं होनी थी मुस्लिम छात्रों और नौजवानों ने अमेरिका के विश्वविद्यालयों, कैंपस और लंदन की सड़कों पर प्रदर्शन किया लेकिन काहिरा और रियाद में नहीं। क्या इन्हें फिलस्तीनी शरणार्थियों, बेघर लोगों के लिए बेसिक जरूरतों की सप्लाई बनवाए रखने के प्रदर्शन नहीं करने थे लेकिन इनके प्रदर्शन इजराइल के विरोध की प्राथमिकता में थे न कि मानवीयता के तकाजे में!

मेष राशि: आज आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आगमन हो सकता है। माता दुर्गा के आशीर्वाद से आपके रुके हुए काम सफल होंगे। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। आज आपके दाम्पत्य जीवन में खुशियां आएंगी। व्यापार की गति बढ़ाने के लिए आज आप नया प्लान बनायेंगे। माता को लाल चुनरी चढ़ाए, रुके हुए पैसे वापस मिलेंगे।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए फेबरेबल रहने वाला है। आज आपके परिवार में नई खुशियाँ आएंगी। आज आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी। अगर आँख से सम्बंधित समस्या है तो किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। आज आपको पैसों के लेन-देन में सावधान रहने की जरूरत है। मां दुर्गा को पान का पत्ता अर्पित करें, मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

मिथुन राशि: आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। नया ऑफिस ज्वाइन करना चाहते हैं तो समय आपका साथ देगा। कार्य क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। आज नौकरी में उल्लास का माहौल बनेगा। डॉक्टर्स आज अपने सीनियर से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे। इस राशि के इंजीनियर के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। माता के आगे माथा टेके, कारोबार में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज दोस्तों के साथ बाहर खाने का प्लान बनायेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच समझकर फैसला लेना चाहिए। आज आप नया सामान खरीदने का मन बना सकते हैं। आज अपने व्यापार में बदलाव लायेंगे, इससे आपको अच्छा मुनाफा होगा। आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें, आपकी मेहनत रंग लायेगी।

सिंह राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में अनुकूल स्थितियां बनी रहेंगी। आज आपको बड़ों का सहयोग मिलेगा। आज बच्चों के साथ आप समय बिताएंगे। आज आपको वाहन सुख के योग बन रहे हैं। बुजुर्गों की धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी। लवमेट आज एक दूसरे की भावनाओं की कद्र करेंगे। स्कन्द माता को फूल अर्पित करें, मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। बिजनेस मैन की रुकी डील आज फाइनल होगी। आज नए क्लाइंट्स के साथ मीटिंग करेंगे। अविवाहितों के चल रहे रिश्ते की बात जल्द पक्की होगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बितायेंगे। किसी के सहयोग से आपको लाभ होगा।

तुला राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। आज आप धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे। दुर्गा सप्तशती का पाठ करें, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। इस राशि के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी समझदारी से करनी चाहिए, सफलता के योग बने हुए हैं। माता-पिता की जिम्मेदारियों को उठाने का पूर्ण प्रयास करेंगे। आज अचानक धन लाभ होने के योग बने हुए है। लवमेट आज अपने रिश्ते की बात घर वालों से करेंगे। माता के सामने घी का दीपक जलाएं, मनपसंद जीवनसाथी मिलेगा।

धनु राशि:आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आज आपको सफलता की नयी किरण दिखाई देगी। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा। दुर्गा स्तोत्र का पाठ करें, स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मकर राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप व्यापार के लिए मशीनरी उपकरण खरीदने का मन बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों में प्रेम भाव बढ़ेगा। लवमेट को मनचाहा उपहार मिलेगा। आर्ट्स के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। नयी कलाकृति दोस्तों को पसंद आयेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। माँ स्कन्दमाता को मीठे का भोग लगायें, किस्मत का साथ मिलता रहेगा।

कुंभ राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। संतान पक्ष से सहयोग मिलेगा, रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। अगर आपके घर का निर्माण कार्य चल रहा है तो जल्द पूरा हो जायेगा। आज आपको प्रमोशन से जुडी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बनेगा, साथ में किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जायेंगे। परिवार के साथ माता दुर्गा की पूजा करें, जीवन में खुशियाँ बनी रहेंगी।

मीन राशि: आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी मेहमान के आने से उनके सत्कार की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको आय के नए साधन मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। सिविल इंजीनियर्स का चल रहा प्रोजेक्ट आज पूरा हो जायेगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों में सहयोग करेगी।

जल संकट का समाधान: परंपरागत ज्ञान और आधुनिक तकनीक का संगम

जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों को मिलाकर जल संकट से बचा जा सकता है, भारत में जल संरक्षण का एक समृद्ध इतिहास रहा है, हमारे पूर्वजों ने भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार जल संरक्षण की अनेक प्रणालियाँ विकसित की थीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

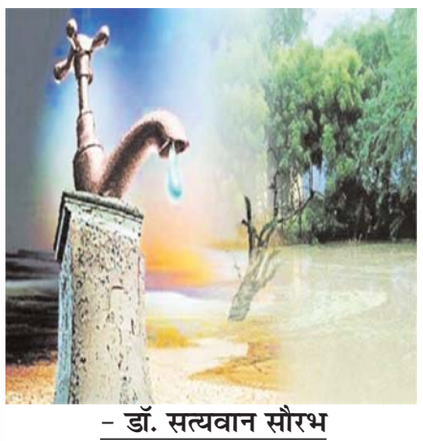

- डॉ. सत्यवान सौरभ

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है। जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4 प्रतिशत मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18ब आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है।

स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की ज़ाबो कृषि पद्धति यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है।

जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं।

जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य- तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं।समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत: यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है।

पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं।

परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। IIT मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण: शहरों में अपशिष्ट जल को पुन: उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है।

पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ AI आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। बूँद-बूँद से घड़ा भरता है - जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

संक्षिप्त समाचार

सभी न्यायाधीश अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करें, मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने दिया आदेश

नई दिल्ली (आरएनएस)। अभी कुछ ही दिन पहले दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर से करोड़ों रुपए कैश मिलने का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद पूरे देश में न्यायापालिका पर सवाल उठने खड़े हो गए थे। देश भर में इस मामले ने तूल पकड़ा हुआ है। अब इसी बीच देश के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक आदेश जारी किया है कि देश में सभी न्यायाधीशों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। बता दें एक साल पहले सूचना के अधिकार के तहत जानकारी से पता चला कि हाईकोर्ट में जितने जज हैं, उनमें से केवल 13 प्रतिशत ने ही अपनी संपत्ति के बारे में घोषणा कर रखी है। भारत में 25 हाईकोर्ट हैं और उनमें करीब 1100 के आसपास न्यायाधीश। इसमें केवल 98 ने ही अपनी संपत्ति सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराई है। इसमें भी ज्यादातर जज केरल, पंजाब-हरियाणा और दिल्ली हाईकोर्ट के हैं। हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर मिले नोटों के बाद ये सवाल पूछा जा रहा है कि क्या जजों की संपत्ति जाहिर करने संबंधी कोई आचार संहिता है।

सुप्रीम कोर्ट से ममता सरकार को बड़ा झटका, 25,000 नियुक्तियों को रद्द करने का फैसला बरकरार रखा

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कोलकत्ता हाईकोर्ट के उस फैसले को सही ठहराया, जिसमें पश्चिम बंगाल के स्कूलों में लगभग 25,000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं और धोखाधड़ी का हवाला देते हुए इस निर्णय को बरकरार रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पूरी प्रक्रिया में भारी अनियमितताएं बरती गईं। व्यापक अनियमितताओं के कारण पूरी चयन प्रक्रिया को दोषपूर्ण घोषित करना सही है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पहले भर्ती किए गए लोगों को अपनी नौकरी के दौरान प्राप्त वेतन वापस करने की आवश्यकता नहीं है।

बड़ा हादसा : सुपौल से दिल्ली जा रही बस में आग लगने से मची अफरा-तफरी, 125 यात्री थे सवार

सुपौल (आरएनएस)। सुपौल से दिल्ली जा रही एक बस में अचानक आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसा उस समय हुआ जब बस में करीब 125 यात्री सवार थे। चालक की सतर्कता और यात्रियों की सूझबूझ से बड़ी घटना टल गई। जैसे ही आग की सूचना मिली, चालक ने बस रोक दी और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। कुछ यात्रियों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों से छलांग भी लगाई। हड़बड़ी में करीब 10 से 12 यात्रियों को हल्की चोटें आई हैं। यात्रियों ने बताया कि बस में तीन किलोमीटर पहले से ही जलने की गंध आ रही थी, लेकिन चालक बस को जबरन चला रहा था। यात्रियों के दबाव देने पर बस रोकी गई और सभी को बाहर निकाला गया।बताया जा रहा है कि यह बस शिवगुरु नामक निजी कंपनी की थी। जैसे ही लोग कुछ समझ पाते, बस पूरी तरह आग की लपटों में घिर गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। अंततः बस पूरी तरह जलकर राख हो गई। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और रात में ही अपने-अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए।

भारतीय वायुसेना का फाइटर जेट जगुआर दुर्घटनाग्रस्त, एक पायलट की मौत; दूसरे की हालत गंभीर

नई दिल्ली (आरएनएस)। गुजरात के जामनगर जिले में भारतीय वायुसेना का एक जगुआर फाइटर जेट बड़ा हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया है। जामनगर के पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख डेलू ने घटना की पुष्टि की है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बयान जारी कर बताया कि विमान को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा था। पायलटों ने विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान दुर्घटना हो गई।पुलिस के अनुसार, विमान में दो पायलट सवार थे। हादसे के समय एक पायलट समय रहते विमान से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि दूसरे पायलट की मौत हो गई। घायल पायलट का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह दुर्घटना जामनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सुवरदा गांव के पास हुई। सामने आए एक वीडियो में खेत में आग लगी हुई दिखाई दे रही है। विमान का कॉकपिट और पिछला हिस्सा अलग-अलग स्थानों पर पड़ा हुआ है, और दोनों हिस्सों में आग लगी हुई थी। भारतीय वायुसेना ने पायलट की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा है कि वह शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

आईएमडी ने जारी किया येलो अलर्ट, शहर में भारी बारिश की आशंका

बेंगलुरु (ए.)। बेंगलुरु में इस समय मौसम भारी बारिश का बना हुआ है। मौसम विभाग ने भारी बारिश, बादल गरज और बिजली गिरने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बेंगलुरु के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है। इस दौरान तापमान तीन से चार डिग्री सेल्सियस नीचे गिर सकता है। बारिश के साथ ही तेज हवाएं भी चल सकती है, जिससे मौसम सुहाना बना रहेगा। ये वर्षा बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवती परिसंचरण के कारण हुई है। अडिशा के तट पर दबाव में बदला है। कर्नाटक में भी अगले पांच दिनों में कई क्षेत्रों में बादल छाए रहने की संभावना है। इस दौरान भारी गरज के साथ वर्षा होने की संभावना बनी हुई है। वहीं नॉर्थ कर्नाटक के कई जिलों में भी ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। इस अलर्ट में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छिटपुट वर्षा का यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। चिकमंगलूर और हासन का अधिकतम तापमान क्रमशः सामान्य से लगभग 7.5 डिग्री और 6 डिग्री कम रहा। बीदर, बागलकोट, विजयपुरा, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, कोडागु और मैसूर में अधिकतम तापमान सामान्य से 4 से 2 डिग्री नीचे रहा। आईएमडी की विज्ञप्ति में कुछ क्षेत्रों में बाढ़ आने की भी चेतावनी दी गई है। निवासियों और यात्रियों ने प्रभावित स्थानों के वीडियो और तस्वीरें साझा की हैं, साथ ही इंदिरानगर में अघारा फ्लाईओवर और कृष्ण मंदिर रोड पर जलभराव की खबरें भी दी हैं। बेंगलुरु में बारिश से प्रभावित इलाकों में बेलंदूर, एचएएल, सीवी रमन नगर, हुडी, केआर पुरम, कोरमंगला, मराठाहल्ली, एचएसआर लेआउट, व्हाइटफील्ड और हेनूर शामिल हैं। बेंगलुरू में अगले 48 घंटों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली के फुलवारी प्री-स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान.

वीरता के साथ अब विकास का भी इतिहास रच रहा बुंदेलखंड

लखनऊ (आरएनएस)। बुंदेलखंड, शौर्य और संस्कार की धरती है। अपनी वीरता के इतिहास के लिए विख्यात बुंदेलखंड की धरा आने वाले समय में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से विकास का इतिहास रचने जा रही है। अक्सर सूखे के लिए जाना जाने वाला बुंदेलखंड भविष्य में अपनी हरियाली के नाते जाना जाएगा। यहां की बड़ी और छोटी सिंचाई परियोजनाएं, खेत तालाब योजना के तहत बनाए गए तालाब इसका जरिया बन रहे हैं। कृषि के साथ ही बुंदेलखंड औद्योगिक प्रगति के नए प्रतिमान स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। उल्लेखनीय है कि बुंदेलखंड में सात जिले (चित्रकूट, बांदा, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा और ललितपुर) शामिल हैं। करीब 69 हजार वर्ग किलोमीटर में विस्तृत बुंदेलखंड का रकबा उत्तर प्रदेश के कुल रकबे का करीब 10 प्रतिशत है। यहां दलहन और तिलहन की फसलों की खेती की अच्छी संभावना है। सरकार यहां दलहन ग्राम योजना भी चला रही है। साथ ही पूरे बुंदेलखंड में मिशन मोड में प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन पर भी सरकार का पूरा फोकस है।अमूमन सूखे का सामना करने वाले बुंदेलखंड की कृषि उत्पादन में हिस्सेदारी सिर्फ 5.5 प्रतिशत है। उत्पादन के इस अंतर की भरपाई के लिए सरकार बुंदेलखंड में सिंचन क्षमता में लगातार विस्तार कर रही है।

मुंबई में बड़ी साजिश नाकाम... लॉरेंस गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार, बड़े बिजनेसमैन पर थी हमले की तैयारी

मुंबई, (आरएनएस)। मुंबई में क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने एक होटल से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी लॉरेंस विश्नोई गैंग के बताए जा रहे हैं और मुंबई में किसी बड़े उद्योगपति और अन्य व्यक्तियों पर हमले की तैयारी में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 देसी पिस्तौल, 21 जिंदा कारतूस और 2 सिम कार्ड बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस ने अब तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि किस व्यक्ति पर हमले की साजिश रची जा रही थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक कुमार गुप्ता, सुमित कुमार दिलावर, विकास दिनेश ठाकुर उर्फ विक्की, देवेन्द्र सक्सेना और श्रेयस यादव के रूप में हुई है। विवेक गुप्ता राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है, जबकि सुमित कुमार हरियाणा के सोनीपत से ताल्लुक रखता है। विकास उर्फ विक्की यूपी के गोरखपुर का रहने वाला है। वहीं देवेन्द्र सक्सेना मध्य प्रदेश के इंदौर का निवासी है और श्रेयस यादव बिहार के गोपालगंज का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से कुछ पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। विकास ठाकुर उर्फ विक्की के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सेंधवा में अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज है।

संसद में वक्फ विधेयक को जबरन पारित किया गया, यह संविधान पर सीधा हमला है : सोनिया गांधी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पारित होने पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में इसे संविधान पर सीधा हमला बताया और कांग्रेस सांसदों से कहा कि वे भाजपा शासित एनडीए सरकार की नाकामियों को आक्रामकता के साथ उजागर करें। सोनिया गांधी ने कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में कहा कि वक्फ विधेयक को जबरदस्ती संसद से पास कराया गया। उन्होंने कहा, यह विधेयक संविधान पर सीधा हमला है। यह समाज को हमेशा बांटकर रखने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने वन नेशन, वन इलेक्शन बिल पर भी कड़ी आपत्ति जताई और इसे संविधान के साथ छेड़छाड़ बताया।

प्रधानमंत्री मोदी का बैंकॉक में जोरदार स्वागत, बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बैंकॉक पहुंचे। उनका भारतीय प्रवासियों ने मोदी मोदी और वंदे मातरम के नारे लगातार गर्मजोशी से स्वागत किया। थाईलैंड के उप-प्रधानमंत्री सूरिया जुंगरुंगरेंगकिट सहित कई अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया।पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, बैंकॉक, थाईलैंड में उतरा। आगामी आधिकारिक कार्यक्रमों में भाग लेने, भारत और थाईलैंड के बीच सहयोग के बंधन को मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री मोदी छठे बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए थाईलैंड में हैं। वह 4 अप्रैल को क्षेत्रीय नेताओं के साथ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा करेंगे।पीएम मोदी भारत-थाईलैंड संबंधों को मजबूत करने के लिए थाई नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी करेंगे। बैंकॉक में आगमन के बाद, प्रधानमंत्री का भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करने का कार्यक्रम है, जिसमें वह भारत और थाईलैंड के बीच गहरे सांस्कृतिक, आर्थिक संबंधों को रेखांकित करेंगे।

हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को सौंपी कर्नल बाठ मामले की जांच, पंजाब पुलिस की एसआईटी खारिज

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पटियाला में आर्मी कर्नल पुष्पिंदर बाठ से मारपीट के मामले में पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने इस केस की जांच चंडीगढ़ पुलिस को सौंप दी है, जिसे चार महीने के भीतर पूरी करनी होगी। अदालत के आदेशानुसार, तीन दिन के भीतर नई जांच टीम गठित की जाएगी, जिसमें पंजाब पुलिस का कोई भी अधिकारी शामिल नहीं होगा। हालांकि, जांच में पंजाब पुलिस को पूर्ण सहयोग देना अनिवार्य होगा।इससे पहले, पंजाब पुलिस ने इस मामले में एक एसआईटी (विशेष जांच टीम) बनाई थी, जिसने बयान दर्ज करने के साथ-साथ सबूत भी जुटाए थे। बावजूद इसके, हाईकोर्ट ने पंजाब पुलिस की जांच प्रक्रिया और दलीलों को अस्वीकार कर दिया। यह याचिका कर्नल पुष्पिंदर बाठ ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर दायर की थी।इसी दौरान, कर्नल की पत्नी जसविंदर कौर बाठ ने एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा है, जिस पर उन्हें ट्रैक करने का आरोप है। उनका कहना है कि वह व्यक्ति उनकी गतिविधियों की निगरानी कर रहा था और पल-पल की जानकारी व फोटो वॉट्सऐप के जरिए किसी को भेज रहा था। शक के आधार पर उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया।

2 मई से खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट, पैदल मार्ग को किया जा रहा दुरुस्त

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध श्री केदारनाथ धाम की यात्रा 2 मई से शुरू होने वाली है। इससे पहले जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित टीमें यात्रा की तैयारियों में जुट गई हैं। मकसद है कि कपाट खुलने से पहले सारी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो जाएं, ताकि यात्रा सुगम और भव्य तरीके से चल सके। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती ने बताया कि सड़क मार्ग से लेकर केदारनाथ के पैदल रास्तों को तेजी से ठीक किया जा रहा है। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की टीमें पैदल मार्गों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने में दिन-रात लगी हैं। पिछले साल आई आपदा से टूटे रास्तों की मरम्मत भी की जा रही है। डॉ. खाती ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि श्रद्धालुओं को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके लिए युद्ध स्तर पर काम चल रहा है।वहीं, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामप्रसाद ने बताया कि इस बार केदारनाथ धाम में 17 बेड का अस्पताल तैयार हो रहा है। जैसे ही बर्फ हटाने का काम पूरा होगा, स्वास्थ्य विभाग की टीमें जरूरी सामान के साथ व्यवस्था जुटाने में लग जाएंगी।उन्होंने कहा, गौरीकुंड से केदारनाथ तक पैदल मार्ग पर सभी मेडिकल रिलीफ पॉइंट्स को ठीक किया जा रहा है। फाटा में इस बार हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर और एक्स-रे मशीन की सुविधा भी उपलब्ध होगी।इसके अलावा, यात्रा के लिए डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मांग शासन से की गई है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो। बर्फबारी और आपदा के बाद रास्तों को सुरक्षित बनाना बड़ी चुनौती है।

दिल्ली में फर्जी फॉर्मेसी रजिस्ट्रेशन रैकेट का हुआ भंडाफोड़, 47 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़े पैमाने पर फर्जी फार्मेसी पंजीकरण रैकेट का भंडाफोड़ किया और दिल्ली फार्मेसी काउंसिल (डीपीसी) के एक पूर्व कर्मचारी सहित 47 लोगों को गिरफ्तार किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, फर्जी दस्तावेजों के जरिए फर्जी फार्मासिस्ट पंजीकरण की व्यापक जांच के बाद गिरफ्तारियां की गईं। एसीबी के निष्कर्षों के अनुसार, रैकेट का मास्टरमाइंड डीपीसी का पूर्व रजिस्ट्रार कुलदीप सिंह था, जिसने कथित तौर पर ऑनलाइन फार्मासिस्ट पंजीकरण करने के लिए नियुक्त एक निजी फर्म के साथ साजिश रची थी।

तेलंगाना में 400 एकड़ में फैले कांचा गचीबावली जंगल को काटने पर सर्वो I न्यायालय ने लिया स्वतः संज्ञान, प्रोटेस्ट पर उतरे हैं छात्र

हैदराबाद (ए.)। सर्वोच्च न्यायालय ने हैदराबाद विश्वविद्यालय के पास कांचा गाचीबोवली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई का स्वतः संज्ञान लिया और तेलंगाना के मुख्य सचिव को सरकार की कार्रवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से जवाबदेह बनाया। गहरी चिंता व्यक्त करते हुए, न्यायालय ने मौजूदा पेड़ों की सुरक्षा को छोड़कर, क्षेत्र में सभी गतिविधियों को रोक दिया और चेतावनी दी कि अनुपालन न करने पर सख्त परिणाम भुगतने होंगे। तेलंगाना उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में व्यापक वनों की कटाई दिखाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने निष्कर्षों की समीक्षा करने के बाद, पेड़ों को हटाने के पीछे की जल्दबाजी पर सवाल उठाया और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या उचित पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त की गई थी। अदालत ने विशेष रूप से इस बात पर जवाब मांगा कि क्या पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) प्रमाण पत्र जारी किया गया था और क्या इतने बड़े पैमाने पर विनाश करने से पहले वन अधिकारियों से अपेक्षित अनुमति ली गई थी। अदालत ने पूछा इन गतिविधियों को शुरू करने की क्या मजबूरी थी? इस बात पर जोर देते हुए कि क्षेत्र में मोर और अन्य वन्यजीवों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि यह एक वनाच्छादित आवास है।अदालत में पेश किए गए फोटोग्राफिक साक्ष्यों से पता चला कि लगभग 100 एकड़ में भारी मशीनरी तैनात करके जमीन के बड़े हिस्से को साफ कर दिया गया। अदालत का निर्देश स्पष्ट था- अगले आदेश तक, क्षेत्र में सभी गतिविधियाँ बंद होनी चाहिए, और इसका पालन न करने पर मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ नई दिल्ली में राज्य के लंबित जल संसाधन प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल से मुलाकात की।

दुश्मनों के प्रॉक्सी वॉर से निपटने के लिए रहे तैयार, राजनाथ सिंह का सेना को साफ संदेश

नई दिल्ली (ए.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिर से पुष्टि की कि भारत का प्रतिद्वंद्वी पश्चिमी सीमाओं पर छद्म युद्ध जारी रखे हुए है, साथ ही उन्होंने सीमा पार आतंकवाद का दृढ़ता से जवाब देने के लिए भारतीय सेना की सराहना की। सेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिंह ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद से निपटने में सेना और अन्य सुरक्षा बलों के बीच समन्वय की सराहना की। न्होंने कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खतरे से निपटने में सीएपीएफ/पुलिस बलों और सेना के बीच उत्कृष्ट तालमेल की सराहना करता हूं। केंद्र शासित प्रदेश में समन्वित अभियान क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं और इसे जारी रखना चाहिए। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में वरिष्ठ कमांडरों को संबोधित किया, जो 1 से 4 अप्रैल तक चलेगा। वर्ष में दो बार आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में सुरक्षा चुनौतियों, सीमा की स्थिति, आंतरिक सुरक्षा और संगठनात्मक परिवर्तनों का आकलन करने के लिए शीर्ष सैन्य नेतृत्व एकत्रित होता है। इसमे आधुनिकीकरण, रसद, प्रशासन और वैश्विक सुरक्षा विकास के प्रभाव पर भी चर्चा की गई। सुधारों

के वर्ष पर एक ब्रीफिंग के बाद उनका संबोधन तीसरे दिन का मुख्य आकर्षण था। सिंह ने देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक के रूप में भारतीय सेना की भूमिका पर जोर दिया और सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद से निपटने और नागरिक अधिकारियों की सहायता करने में इसके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है- सुरक्षा और आपदा राहत से लेकर चिकित्सा सहायता और राष्ट्रीय स्थिरता बनाए रखने तक। राष्ट्र निर्माण और समग्र विकास में इसका योगदान अमूल्य है।

बंगाल सरकार को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने 25,000 शिक्षकों की बर्खास्तगी को रखा बरकरार

कोलकाता (ए.)। पश्चिम बंगाल में भर्ती प्रक्रिया से जुड़े एक बड़े घटनाक्रम में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य द्वारा संचालित और राज्य-सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को अमान्य करार देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा है। 3 अप्रैल, 2025 को दिए गए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने पहले के फैसले की पुष्टि करते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया गंभीर अनियमितताओं से दूषित थी, जिसके कारण इन नियुक्तियों को रद्द कर दिया गया। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने निष्कर्ष निकाला कि विचाराधीन भर्ती प्रक्रिया में बुनियादी तौर पर खामियां थीं। अपने फैसले में न्यायालय ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में हेराफेरी ने नियुक्तियों की ईमानदारी को इस हद तक प्रभावित किया है कि उन्हें बरकरार नहीं रखा जा सकता।

स्टाइल और ग्लैमर के मामले में दिशा पाटनी पर भी भारी पड़ती है नभा नतेश, अदाओं से चलाती है खंजर

बॉलीवुड में जब भी सबसे खूबसूरत और फिट एक्ट्रेसेज की बात होती है तो इस लिस्ट में दिशा पाटनी का नाम पहले नंबर पर आता है। दिशा अपनी अदाओं, लटकों-झटकों और अलग स्टाइल से लोगों का दिल जीत लेती हैं। उनके कूल कपड़े हमेशा ही चर्चा में रहते हैं। दिशा हमेशा कम्फी कैजुअल लुक में रहना पसंद करती हैं। वैसे टॉलीवुड में भी एक हीरोइन ऐसी हैं जो लुक्स, ग्लैमरस और स्टाइलिंग के मामले में दिशा पाटनी से जरा भी पीछे नहीं हैं। सोशल मीडिया पर छाई रहने वाली ये हसीना दिशा पाटनी को भी कई मामलों में फेल करती हैं और इनके चाहने वालों की भी लंबी लिस्ट है। इन दिनों इनके पास कई फिल्मी ऑफर हैं और ये साउथ की सबसे व्यस्त एक्ट्रेसेज में से एक हैं।

क्या अब आप पहचान पाए कि आखिर ये हीरोइन है कौन? ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि नभा नतेश हैं। एक्ट्रेस अपने स्पेशल गानों से फिल्मों में धूम मचाती रहती हैं। इन दिनों एक्ट्रेस घिबली आर्ट की वजह से चर्चा में आई हैं। इन्होंने कई घिबली आर्ट फोटो पोस्ट की हैं। वो अपनी हर घिबली आर्ट फोटो में प्यारी लगी हैं। नभा नितेश सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 5 मिलियन से भी ज्यादा फॉलोवर्स हैं। इनकी हर तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती है। नभा काफी फिट हैं और जिम में पसीने बहाने के अलावा एक्ट्रेस डांस के जरिए भी खुद को काफी फिट रखती हैं।इस्मार्ट शंकर, डार्लिंग, अल्लुदु अधुर्स, मायस्ट्रो, वज्रकाया, नान्नु दोचुकुंदेवाते जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय करती नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा भी उनके पास कई फिल्में रिलीज के लिए तैयार हैं। एक्टर निखिल के साथ फिल्म स्वयंभू में नजर आएंगी। इसमें संयुक्ता मेनन भी उनके साथ लीड रोल में हैं। ऐसा भी कहा जा रहा है कि नभा नतेश निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी और बॉलीवुड स्टार सनी देओल की आने वाली फिल्म में एक स्पेशल सॉन्ग करने वाले हैं। हालांकि इस पर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। दूसरी ओर नभा नतेश को इस समय तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कई ऑफर मिल रहे हैं। नागबंधम में भी एक्ट्रेस लीड रोल निभाती नजर आएंगी।

इब्राहिम अली खान को लेकर परेशान दीया मिर्जा, फिल्म 'नादानिया' को लेकर ट्रोल हुए स्टार किड

इब्राहिम अली खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत फिल्म 'नादानियां' से की। फिल्म में इब्राहिम अली खान के अपोजिट श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर नजर आईं। साथ ही फिल्म में दीया मिर्जा ने इब्राहिम अली खान के किरदार की मां का रोल किया था। इस फिल्म में खराब एक्टिंग करने को लेकर इब्राहिम अली खान खूब ट्रोल हुए।

दीया बोलीं मेंटल हेल्थ पर होता है असर

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने हाल ही में इब्राहिम अली और खुशी कपूर को सपोर्ट किया। दरअसल, इन स्टार किड्स की फिल्म 'नादानियां' में एक्टिंग देखकर सोशल मीडिया यूजर्स ने खूब ट्रोलिंग की थी। बॉम्बे टाइम्स को दिए गए एक इंटरव्यू में दीया मिर्जा कहती हैं, 'मेरा मानना है किसी को भी पर्सनल लेवल पर टारगेट नहीं करना चाहिए। माना सबको अपनी राय रखने का हक है लेकिन इसकी भी एक सीमा होता है। इससे लोगों की मेंटल हेल्थ पर असर होता है। वो (इब्राहिम और खुशी) यंग एक्टर्स है, उन्हें इस तरह से अटैक करना ठीक नहीं है।

शुरुआती करियर का जिक्र किया

एक हालिया इंटरव्यू में दीया मिर्जा ने कहा था, 'जब सोशल मीडिया नहीं था, तब कई एक्टर्स ने अपना फिल्मी करियर शुरू किया, उन्हें खुद में सुधार करने का समय भी मिला। हम सबको शुरुआत में बहुत घबराहट होती थी लेकिन तब इस तरह से टारगेट नहीं किया जाता था।'

जुगल हंसराज संग नजर आईं दीया

फिल्म 'नादानियां' में दीया मिर्जा की जोड़ी जुगल हंसराज के साथ बनीं। फिल्म में वे इब्राहिम अली खान के किरदार के माता-पिता बने थे। धर्मा प्रोडक्शन की इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज किया। फिल्म की कहानी और स्टार किड्स की एक्टिंग दर्शकों को बिल्कुल पसंद नहीं आई।

दिशा पाटनी को लेकर 'फौजी' के निर्माताओं ने दिया बड़ा अपडेट, कहा- टीम ने नहीं किया संपर्क

हाल ही में ऐसी खबरें आई थीं कि अभिनेत्री दिशा पाटनी को प्रभास की आने वाली पीरियड ड्रामा फिल्म 'फौजी' में दूसरी अहम भूमिका के लिए चुना गया है, लेकिन फिल्म की प्रोडक्शन टीम ने इसे खारिज कर दिया है। टीम ने साफ किया है कि उन्होंने इस भूमिका के लिए अभिनेत्री से कभी संपर्क नहीं किया।

फौजी में नहीं होंगी दिशा

मनी कंट्रोल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक प्रोडक्शन हेड ने स्पष्ट किया है "यह सब अफवाह है, और हमने दिशा पाटनी से संपर्क नहीं किया है। मुख्य भूमिका के लिए कास्टिंग हो चुकी है, और दूसरी मुख्य भूमिका वाली अभिनेत्री होने की खबर झूठी है।"

दिशा से नहीं किया गया संपर्क

दिशा ने अभी तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले, यह बताया गया था कि दिशा फौजी में दूसरी मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह भी कहा गया था कि दिशा से एक्शन से भरपूर फिल्म के 'ग्लैमर' को बढ़ाने के लिए संपर्क किया गया था।

फिल्म में होंगे ये किरदार

आपको बता दें कि फिल्म 'फौजी' का निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। 'फौजी' एक बहुप्रतीक्षित पीरियड रोमांस है। फिल्म में प्रभाष अहम किरदार में होंगे। इसके अलावा फिल्म में इमानवी इस्माइल, जया पर्दा और मिथुन चक्रवर्ती नजर आएंगे।

'फौजी' के अलावा साउथ अभिनेता प्रभास 'स्पिरिट', 'द राजा साब' के अलावा भी कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। 'स्पिरिट' का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। इस फिल्म में प्रभास एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, 'द राजा साब' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है।

अंदाज अपना अपना का नया पोस्टर आया सामने, 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में दोबारा होगी रिलीज

आमिर खान और सलमान खान की यादगार फिल्म अंदाज अपना अपना लगभग 31 साल बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

यह फिल्म पहली बार 4 नवंबर, 1994 को रिलीज हुई थी और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया था।

अब निर्माताओं ने अंदाज अपना अपना का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें आमिर और सलमान समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

आइए जानें यह फिल्म दोबारा सिनेमाघरों में कब रिलीज होगी।अंदाज अपना अपना को 25 अप्रैल, 2025 को एक बार फिर सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। ऐसे में बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म का सामना इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो से होने वाला है। यह फिल्म भी 25 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करने वाली है। अंदाज अपना अपना का ट्रेलर जल्द ही रिलीज किया जाएगा।

इसमें रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर जैसे कलाकार भी हैं। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

सनी देओल की जाट का पहला गाना टच किया जारी, जबरदस्त डांस करती दिखीं उर्वशी रौतेला

पिछली बार सनी देओल को फिल्म गदर 2 में देखा गया था, जिसमें हमेशा की तरह उनके काम को काफी सराहा गया। यह फिल्म 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक है।आने वाले समय में सनी एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। इन्हीं में एक नाम जाट का भी है, जिसके निर्देशन की कमान गोपिचंद मालिनेनी संभाली है। अब निर्माताओं ने जाट का पहला गाना टच किया जारी कर दिया है। टच किया गाने में अभिनेत्री उर्वशी रौतेला जबरदस्त डांस करती दिख रही है। इस गाने को मधुबंती बागची और शाहिद माल्या ने मिलकर गाया है। फिल्म के मेकर्स ने आज इस गाने को लॉन्च किया और यकीन मानिए, टच किया देखते ही लोग अपने डांसिंग शूज़ पहन लेंगे! गाने में उर्वशी रौतेला अपने बोल्ड डांस मूव्स, ग्लैमरस लुक और दमदार एक्सप्रेशन्स से सबका ध्यान खींच रही हैं। लेकिन सरप्राइज़ फैक्टर हैं विनीत कुमार सिंह, जो फिल्म में गैंगस्टर सोमुलु का किरदार निभा रहे हैं। गाने में वह उर्वशी के साथ धमाकेदार डांस मूव्स दिखाते नज़र आ रहे हैं।

छोरी 2 से नुसरत भरुचा की नई झलक जारी, ट्रेलर की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

काफी समय से नुसरत भरूचा अपनी फिल्म छोरी 2 को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म होने वाला है।यह फिल्म छोरी का सीक्वल है, जो 26 नवंबर, 2021 को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। अब 4 साल बाद फिल्म का सीक्वल आ रहा है।अब छोरी 2 से नुसरत की नई झलक सामने आ गई है, जिसमें अभिनेत्री काफी सहमी हुई दिख रही हैं।टी-सीरीज ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर छोरी 2 का पोस्टर साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, इस बार...अंधेरा और गहरा है। फिल्म का ट्रेलर आज 3 अप्रैल को रिलीज होगा। फिल्म का टीजर पहले ही सामने आ चुका है।

किचन में फल-सब्जी काटते समय अपनाएं ये ब्यूटी टिप्स, पैसे और समय दोनों की होगी बचत

कई महिलाओं की ये शिकायत होती है कि घर और ऑफिस का काम करते-करते उन्हें अपने लिए समय निकालने का वक्त नहीं मिलता है. ऐसे अक्सर वह स्किन केयर नहीं कर पाती हैं. कई महिलाओं को घर के काम से फुर्सत नहीं मिलती है. दिन भर साफ-सफाई, किचन का काम, बच्चों की देखभाल करने में उनका सारा समय निकल जाता है. अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं तो ये आर्टिकल आपके बहुत काम का है. यहां हम आपको कुछ ऐसे ब्यूटी टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें आप किचन में सब्जी या फल काटते-काटते भी इस्तेमाल कर सकती हैं. आइए जानते हैं इसके बारे में.

फल काटते समय करें ये काम

अगर आप किचन में कोई फल काटें तो उसके दो चार टुकड़े फ्रीजर में जमने के लिए रख दें. जब ये अच्छी तरह से जम जाएंगे तो ये क्यूब्स अपने चेहरे पर लगाएं. इसे लगाने से पहले अपना चेहरा जरूर पानी से धो लें. इससे आपको आइस फेशियल और फ्रूट फेशियल दोनों का फायदा मिल सकता है. इसके लिए आप कोई भी फल ले सकती हैं जैसे तरबूज, पपीता, केला, आम ले सकती हैं.

सब्जी काटते समय अपनाएं ये ट्रिक

किचन में खाना बनाते समय टमाटर की अक्सर जरूरत पड़ती है. ऐसे में आप सब्जी काटें तो टमाटर का एक हिस्सा अलग रख लें. उसमें थोड़ी सी हल्दी मिलाकर आप अपने चेहरे पर लगाएं. इसे आधे घंटे तक चेहरे पर रहने दें. इसके बाद चेहरा पानी से धो लें.इस ट्रिक को अपनाने से आपके चेहरे की टैनिंग दूर होगी. इससे चेहरे पर निखार भी आएगा.

शहद, कॉफी और हल्दी से बनाएं फेस पैक

अमूमन हर किचन में शहद, कॉफी और हल्दी होती ही है. इन तीनों को मिलाकर आप अपने लिए फेस पैक तैयार कर सकती हैं. सबसे पहले शहद की डिब्बी में कॉफी पाउडर और बहुत थोड़ी सी हल्दी मिलाएं. अब जरूरत पड़ने पर इसे कभी भी इस्तेमाल करें. खाना बनाते समय भी आप इसे लगा सकती हैं. ये पैक कई दिनों तक चल जाता है.

हर महिला को आनी चाहिए इन 5 तरह की साड़ी पहनने की कला, लगेंगी बेहद खूबसूरत

साड़ी भारतीय महिलाओं के लिए एक सदाबहार और पारंपरिक परिधान है। यह न केवल सुंदरता का प्रतीक है, बल्कि इसे पहनना भी बहुत आरामदायक होता है।अलग-अलग साड़ी पहनने के तरीके न केवल आपके लुक को खास बना सकते हैं, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी उजागर करते हैं।आइए आज हम आपको कुछ ऐसे साड़ी पहनने के तरीके बताते हैं, जो हर महिला को आने चाहिए और जो आपके लुक को और भी खास बना सकते हैं।

बंगाली तरीका

बंगाली तरीके से साड़ी पहनना बहुत आसान और आकर्षक होता है। इसमें आपको पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इसमें पल्लू को थोड़ा लंबा छोड़ना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

महाराष्ट्रीयन तरीका

महाराष्ट्रीयन तरीके से साड़ी पहनना भी एक दिलचस्प अनुभव हो सकता है। इसमें आपको पल्लू को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है।इस तरीके में पल्लू को थोड़ा छोटा रखना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके। यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

गुजराती तरीका

गुजराती तरीके से साड़ी पहनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन इसका लुक बहुत ही खास होता है। इसमें आपको पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इसमें पल्लू को थोड़ा लंबा छोड़ना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।

यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

दक्षिण भारतीय तरीका

दक्षिण भारतीय तरीके से साड़ी पहनना सबसे आसान होता है, लेकिन इसका लुक बहुत आकर्षक होता है।इसमें आपको पल्लू को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इस शैली में पल्लू को थोड़ा छोटा रखना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

पंजाबी तरीका

पंजाबी तरीके से साड़ी पहनना बहुत ही मजेदार होता है।

इसमें आपको पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाना होता है और फिर इसे कमर पर बांधना होता है। इस शैली में पल्लू को थोड़ा लंबा छोड़ना चाहिए ताकि यह आपके पूरे शरीर को ढक सके।

यह तरीका खासतौर पर त्योहारों और विशेष मौकों पर बहुत अच्छा लगता है क्योंकि इसमें एक शाही और पारंपरिक लुक मिलता है।

वही होगा मेरा पति, युजवेंद्र चहल संग डेटिंग की अफवाहों के बीच RJ MAHVASH ने शेयर किया

नई दिल्ली(ए)। धनश्री वर्मा से तलाक के बाद क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ नजर आई आरजे महावश सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटौर रही है। क्रिकेट मैच को साथ बैठकर एंजॉय करने के बाद दोनों की दोस्ती चर्चा में आई। महावश ने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज शेयर की, जिसमें क्रिकेटर के साथ उनकी मजबूत बॉन्ड देखने को मिली। वहीं, अब आरजे महावश ने रिलेशनशिप पर एक वीडियो शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। महावश ने हाल ही में अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है। इसमें उन्होंने रिलेशनशिप पर बात करते हुए कुछ ऐसा कह दिया कि लोगों ने इस वीडियो को युजवेंद्र चहल से जोड़कर देखना शुरू कर दिया। वीडियो में आरजे कह रही है कि मेरी जिंदगी में अगर कोई लड़का आएगा तो वो बस एक ही होगा, वही दोस्त होगा, वही बेस्ट फ्रेंड होगा, वही मेरा ब्वॉयफ्रेंड होगा और वही पति होगा, मेरी पूरी जिंदगी उसी के इर्द-गिर्द घूमेगी। मुझे नहीं चाहिए भाई कोई फर्जी दोस्त। मैं बाकी किसी लड़के को मुंह नहीं लगाती, क्योंकि मेरा वाला काफी है।

विराट कोहली को लगी चोट को लेकर बड़ा अपडेट आया सामने, फैंस की अटकी सांसें

नई दिल्ली(ए)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा कि गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ फील्डिंग के दौरान उंगली में चोट लगने के बावजूद विराट कोहली ठीक हैं और चिंता की कोई बात नहीं है।जीटी द्वारा दिए गए 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान, 12वें ओवर में कोहली ने एक चौका रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनकी उंगली पर लगी और सीमा रेखा के पार चली गई। दर्द के कारण कोहली परेशान दिखे, जिसके बाद टीम का फिजियो उनका इलाज करने मैदान पर आया। हालांकि, कोहली मैदान से बाहर चले गए, लेकिन उनकी उंगली में दर्द बना रहा। जीटी ने यह मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। मैच के बाद एंडी

फ्लावर ने कहा, विराट बिल्कुल ठीक हैं, चिंता की कोई बात नहीं है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी पुरानी टीम के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर तीन विकेट लिए। सिराज को आरसीबी ने सात साल तक टीम में रखने के बाद रिलीज कर दिया था। फ्लावर ने कहा, टॉस काफी अहम था क्योंकि मैदान पर ओस थी। पहली पारी में गेंद थोड़ी रुककर आ रही थी। यह आमतौर पर चिन्नास्वामी की पिच जैसी नहीं थी, जहां गेंद तेजी से आती है। लेकिन इसका नतीजे पर ज्यादा असर नहीं पड़ा, गुजरात टाइटंस ने हमसे बेहतर खेला और सिराज ने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने आगे कहा, सिराज ने नई गेंद से शानदार स्पेल डाला। उसकी लाइन और लेंथ बहुत अच्छी थी और उसने स्टंप्स पर लगातार हमला किया। हम सब उसे बहुत पसंद करते हैं और उसकी काबिलियत को जानते हैं। हमने इस बार अच्छी नीलामी की और संतुलित टीम बनाई है। मैं सिराज को आगे के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

गुजरात ने बेंगलुरु पर हासिल की शानदार जीत, बटलर और सिराज ने बिखेरा जलवा

नईदिल्ली,(ए)। अनुभवी बल्लेबाज जोस बटलर और मोहम्मद सिराज की शानदार गेंदबाजी की बदौलत गुजरात टाइटन्स ने बुधवार को आईपीएल 2025 के 14वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पर 8 विकेट से आसान जीत दर्ज की है. बटलर (39 गेंदों पर नाबाद 73 रन) और साई सुदर्शन (36 गेंदों पर 49 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 45 गेंदों पर 75 रन जोड़े, जिससे टाइटन्स ने 17.5 ओवर में 170 रन का मामूली लक्ष्य हासिल कर लिया।

आरसीबी ने आठ विकेट पर 169 रन बनाए थे. हालांकि, गुजरात की टीम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और कप्तान शुभमन गिल 14 रन बनाकर आउट हो गए. टाइटंस के कप्तान ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन अगली ही गेंद पर तेज गेंदबाज ने डीप में लियाम लिविंगस्टोन को कैच थमा दिया. लेकिन इसने सुदर्शन और बटलर को एक साथ ला दिया, जिन्होंने आरसीबी के गेंदबाजों से अलग-अलग अंदाज में रन बटोरे।

सुदर्शन का आउट होना, जो 13वें ओवर में आरसीबी द्वारा दूसरी गेंद लेने के तुरंत बाद हुआ, गुजरात के लक्ष्य का पीछा करने में एक छोटी सी बाधा थी, जिसे बटलर ने बहुत प्रभावी ढंग से संभाला और टीम को जीत दहलीज पर पहुंचा दिया. इम्पैक्ट सब शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 30, 18 बी) ने तीसरे विकेट के लिए 63 रन जोड़े और गुजरात को जीत दिलाई। इससे पहले मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लिए और लिविंगस्टोन के 54 रनों के बावजूद आरसीबी की बल्लेबाजी को आठ विकेट पर 169 रनों पर सीमित कर दिया. टाइटन्स ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, तो उन्होंने अप्रत्याशित रूप से धीमी पिच को देखते हुए भी एक मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप पर इस तरह के दबदबे की कल्पना नहीं की होगी. विराट कोहली (7) के विकेट से हुई. सिराज ने सिराज (4-0-19-3) का प्रदर्शन किया।

आईपीएल में आज मुंबई और लखनऊ के बीच रोमांचक मुकाबले के आसार

शाम 7ः30 बजे से होगा मैच

लखनऊ (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जॉइंट्स अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस का मुकाबला करेगी। इस मैच में सुपर जॉइंट्स का लक्ष्य जीत हासिल कर वापसी करना रहेगा। अब तक हुए तीन मैचों में से उसे दो मुकाबलों में हार मिली है। पिछले मैच में उसे पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा था। टीम के कप्तान ऋषभ पंत पर भी सभी की नजरें रहेंगी। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी होने` बाद भी ऋषभ अभी तक रन नहीं बना पाये हैं। तीन मैचों को मिला भी दें तो भी उनके 30 से कम रन हैं। इस मैच में अगर लखनऊ को जीत दर्ज करनी है तो कप्तान को रन बनाने होंगे। वहीं दूसरी ओर मुम्बई इंडियंस का सफर भी अब तक अच्छा नहीं रहा है। उसे भी केवल एक ही मैच में जीत मिली है। मुम्बई के भी अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा का भी बल्ला अब तक खामोश हैं। ऐसे में वह भी इस मैच में अधिक से अधिक रन बनाने के इरादे से उतरेंगे। इस मैच में उतर रही दोनो ही टीमों की हालत तकरीबन एक ही है। मुंबई को अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने का भी नुकसान हुआ है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस आईपीएल सत्र से बाहर हैं।

बुमराह की जगह बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार ने पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ

शानदार गेंदबाजी की थी जिससे मुम्बई को राहत मिली है। अश्वनी कुमार ने इस मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तेज गेंदबाज ने घरेलू क्रिकेट में केवल चार टी20 मैच खेलने के बाद मुंबई की ओर से आईपीएल में पदार्पण करते हुए अजिंक्य रहाणे, मनीष पांडे, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल जैसे स्टार बल्लेबाजों के विकेट लिए थे।

मुंबई को अगर सुपर जॉइंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी है तो रोहित के अलावा अन्य बल्लेबाजों को भी रन बनाने होंगे। वहीं लखनऊ की टीम भी अपने गेंदबाजों के चोटिल होने से परेशान हैं मयंक यादव सहित उसके प्रमुख गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण बाहर हैं। शार्दुल ठाकुर के टीम से जुड़ने से हालांकि उसके राहत मिली है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरण के फार्म में आने से भी टीम को लाभ हुआ है। पूरन ने अब तक तीन मैच में 189 रन बनाए हैं पर उन्हें कोई जोड़ीदारी नहीं मिला है। टीम को अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ के साथ ही अन्य सभी खिलाड़ियों को एकजुट होकर खेलना होगा। टीम के पास स्पिनर रवि बिश्नोई है पर वह भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। उन्हें भी इस मैच में अपना प्रदर्शन ठीक करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

लखनऊ सुपर जाइंट्स = ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल समद, आकाश दीप, आकाश सिंह, अवेश खान, आयुष बदोनी, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, हिम्मत सिंह, शमर जोसेफ, आर्यन जुयाल, अर्शिन कुलकर्णी, एडेन मार्करम, मिशेल मार्श, डेविड मिलर, निकोलस पूरन, प्रिंस यादव, दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, शाहबाज़ अहमद, मणिमारन सिद्धार्थ, शार्दुल ठाकुर, मयंक यादव।

मुंबई इंडियंस = हार्दिक पंड्या (कप्तान), अश्वनी कुमार, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रित बुमरा, दीपक चाहर, विल जैक्स, बेवॉन जैकब्स, रॉबिन मिंज, मुजीब उर रहमान, नमन धीर, विग्नेश पुथुर, सत्यनारायण राजू, रयान रिकेलटन, मिशेल सेंटनर, कर्ण शर्मा, रोहित शर्मा, कृष्णन श्रीजीत, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, रीस टॉपले, सूर्यकुमार यादव।

मोहम्मद सिराज ने अपनी पुरानी टीम आरसीबी के खिलाफ ढाया कहर

बेंगलुरु। दाएं हाथ के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने घर वापसी का जश्न शानदार अंदाज में मनाया. आईपीएल 2025 के 14वें मैच में गुजरात टाइटन्स का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने इस मैदान पर अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो अपनी पुरानी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आया. इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार से नवाजा गया. आरसीबी के खिलाफ मैच में सिराज ने 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट झटके. उन्होंने फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल और लियाम लिविंगस्टोन को आउट किया. वह जीटी की आरसीबी पर शानदार जीत के हीरो रहे. आईपीएल 2025 में अब तक कुल 5 विकेट लेने वाले इस तेज गेंदबाज ने लीग के 18वें सीजन में अपने बेहतर प्रदर्शन का श्रेय लगातार क्रिकेट से ब्रेक को दिया. मैच के बाद बोलते हुए, प्लेयर ऑफ द मैच, सिराज ने कहा, मैं लगातार मैच खेल रहा था, इसलिए मुझे अपनी गलतियों का एहसास नहीं हो रहा था।

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर की क्रिकेट में एंट्री

-ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग में खरीदी अपनी टीम

मुंबई, (ए)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और क्रिकेट आइकन सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर ग्लोबल ई-क्रिकेट प्रीमियर लीग (जीईपीएल) के बहुप्रतीक्षित सीजन 2 के लिए मुंबई फ्रेंचाइजी की मालिक बन गई हैं.जीईपीएल रियल क्रिकेट पर खेला जाता है, एक ऐसा गेम जिसने 300 मिलियन से अधिक लाइफटाइम डाउनलोड किए हैं. अपने ओपनिंग सीजन के बाद से, लीग ने तेजी से विकास देखा है, जिसमें खिलाड़ियों की रुचि में 5 गुना वृद्धि हुई है, जो सीजन 1 में 200,000 की तुलना में 910,000 रजिस्ट्रेशन तक पहुंच गई है.सारा की मुंबई फ्रेंचाइजी का ऑनरशिप क्षेत्र के साथ उनके मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है, जो ई-स्पोर्ट्स के प्रति उनके जुनून के लिए लीग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है. नए भारत के उद्यमियों की एक विविध लाइन-अप के साथ जीईपीएल इकोसिस्टम में उनका समावेश, डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धी गेमिंग को फिर से परिभाषित करने और क्रिकेट के प्रशंसकों को बढ़ाने के लीग के मिशन को और मजबूत करता है. सारा तेंदुलकर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, क्रिकेट हमारे परिवार का एक अभिन्न अंग रहा है. ई-स्पोर्ट्स में इसकी क्षमता की खोज करना रोमांचकारी है. GEPL में मुंबई फ्रेंचाइजी का मालिक होना एक सपने के सच होने जैसा है, जो खेल के प्रति मेरे जुनून को शहर के प्रति मेरे प्यार के साथ मिलाता है. मैं एक ऐसी प्यारी ई-स्पोर्ट्स फ्रैंचाइजी बनाने के लिए हमारी प्रतिभाशाली टीम के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं जो प्रेरित करे और मनोरंजन करे।

विदेश समाचार

बांग्लादेश में राजनीतिक हिंसा का दौर जारी, अवामी लीग के नेताओं के घरों पर हमला

ढाका (आरएनएस)। बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग को एक बार फिर निशाना बनाया गया। पूर्व मेयर अनवरुज्जमां चौधरी और पूर्व सांसद शफीउल आलम चौधरी नादेल के घरों पर कथित तौर पर बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के छात्र दल के बैनर तले भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की। स्थानीय मीडिया आउटलेट यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, सिलहट एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी (ओसी) सैयद अनिसुर रहमान ने कहा कि छात्रों और आम लोगों के एक उग्र समूह ने नादेल के आवास पर हमला किया, जिससे नुकसान हुआ।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बुधवार को 70-80 बाइकों पर सवार होकर छात्र दल के सदस्यों का एक समूह जुलूस के रूप में सिलहट शहर के हाउसिंग एस्टेट क्षेत्र में स्थित नादेल के आवास पर पहुंचा। उन्होंने घर में घुसकर सीसीटीवी कैमरे और लैपटॉप को क्षतिग्रस्त कर दिया।

एक अन्य घटना में सिलहट के पथंतुला इलाके में अनवरुज्जमां चौधरी के घर पर हमला किया गया। हमलावरों ने फर्नीचर और अन्य घरेलू सामान तोड़ डाला।

जलालाबाद पुलिस स्टेशन के प्रभारी हारुनुर रशीद ने कहा, रिपोर्ट मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की। हमें पता चला कि गुस्साए छात्रों और आम लोगों ने हमला किया।

स्थानीय मीडिया आउटलेट बीडीडीआईजीईएसटी की रिपोर्ट के अनुसार, भीड़ ने घर से कीमती सामान भी चुरा लिया।

घटना के वक्त अनवरुज्जमां का कोई भी रिश्तेदार घर में नहीं था; दो केयरटेकर घर की देखभाल कर रहे थे और हमलावरों ने कथित तौर पर उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

म्यांमार : विनाशकारी भूकंप के बाद महसूस किए गए 66 झटके, 3,085 की मौत, 4,715 घायल

यांगून (आरएनएस) म्यांमार में शुक्रवार को देश में आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के भी झटकों (आफ्टरशॉक) का सिलसिला जारी है। देश के मौसम विज्ञान और जल विज्ञान विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता के 66 झटके महसूस किए गए। इस बीच, राज्य प्रशासन परिषद (एसएसी) के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि म्यांमार सरकार भूकंप राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए 500 अरब क्यात (लगभग 238.09 मिलियन डॉलर) आवंटित करेगी।

सरकारी दैनिक द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार की रिपोर्ट के अनुसार, म्यांमार के नेता ने यह बयान मंगलवार को ने-पी-ताव में एक नकद दान समारोह में दिया। कार्यक्रम में शुभचिंतकों ने 104.44 बिलियन क्याट (49.71 मिलियन डॉलर) नकद और 12.4 बिलियन क्याट (5.9 मिलियन डॉलर) मूल्य की गैर-नकद वस्तुएं दान कीं। शुक्रवार को म्यांमार में आए घातक भूकंप के बाद, सैन्य शासक मिन आंग ह्लाइंग ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की। 31 मार्च तक 16 देशों और क्षेत्रों से बचाव दल, डॉक्टर और नर्सें मानवीय सहायता और मेडिकल स्प्लाई के साथ म्यांमार पहुंच चुकी हैं।स्थानीय दैनिक म्यांमा एलिन के अनुसार, म्यांमार में आए 18 शक्तिशाली भूकंपों में से 7.7 तीव्रता का भूकंप दूसरा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इससे पहले 1912 में देश में 8.0 तीव्रता का भूकंप आया था।राज्य प्रशासन परिषद सूचना टीम के अनुसार, भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,085 हो गई है, 4,715 लोग घायल हुए हैं और 341 अभी भी लापता हैं। म्यांमार रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष म्यो न्युंट ने कहा कि मौजूदा बचाव अभियान में मुख्य चुनौतियों में आपदा आकलन और रसद समन्वय शामिल हैं।

अमेरिकन समोआ में 70 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त

वॉशिंगटन (ए)। आज के समय में मोटापा एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि दुनिया भर में लोगों का वजन तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि सबसे ज्यादा मोटे लोग किस देश में रहते हैं?

वर्ल्ड ओबेसिटी डेटा के अनुसार, दुनिया का सबसे मोटा देश अमेरिकन समोआ है, जहां 70 प्रतिशत लोग मोटापे से ग्रस्त हैं। इसके बाद दूसरे नंबर पर नाउरू आता है, जो दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक छोटा-सा द्वीप देश है। यहां मोटापे की दर 69 प्रतिशत है। तीसरे स्थान पर तोकेलाऊ नामक देश है, जहां 67 प्रतिशत लोग मोटे हैं। चौथे नंबर पर स्थित कुक आइलैंड्स में यह दर 66 प्रतिशत है, जबकि पांचवें स्थान पर न्यूई आता है, जहां 63प्रतिशत आबादी मोटापे से जूझ रही है। इसके अलावा, टोंगा, तुआलू, समोआ, फ्रेंच पॉलीनेशिया और यूनाइटेड स्टेट्स भी इस सूची में शामिल हैं। मोटापे की उच्च दर वाले अधिकतर देश हाई इनकम कैटेगरी में आते हैं, जहां सुविधाजनक जीवनशैली और अस्वास्थ्यकर खान-पान की वजह से वजन तेजी से बढ़ता है। अगर भारत की बात करें, तो जंक फूड और बदलती जीवनशैली के कारण यहां भी मोटापा बढ़ रहा है, लेकिन यह अभी भी वैश्विक स्तर पर गंभीर स्थिति में नहीं है। कुल 200 देशों की सूची में भारत 180वें स्थान पर है, जहां मोटापे की दर मात्र 5.38प्रतिशत है। भारत को लोअर मिडिल इनकम वाला देश माना जाता है, जबकि ज्यादातर मोटे देशों की गिनती हाई इनकम कैटेगरी में होती है।

दक्षिण कोरिया : सोल में 14,000 पुलिसकर्मियों की होगी तैनाती, अदालत सुनाएगी राष्ट्रपति यून के महाभियोग पर फैसला

सोल (ए)। संवैधानिक न्यायालय 5 अप्रैल दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक योल के महाभियोग मामले में फैसला सुनाने वाला है। इसे देखते हुए बड़े पैमाने पर सुरक्षा तैयारियां की जा रही हैं। दक्षिण कोरियाई पुलिस ने सोल में लगभग 14,000 कर्मियों को तैनात करने का फैसला किया है। राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी ने पुलिस बलों को गैफो अलर्ट पर रखा है, जो उच्चतम स्तर है और सभी उपलब्ध पुलिस बलों को आपातकालीन स्टैंडबाय पर रखता है।सभी संवैधानिक न्यायालय के जजों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और पुलिस संवैधानिक न्यायालय परिसर में घुसने का प्रयास करने वालों को तुरंत गिरफ्तार कर लेगी।यदि यून फैसले के लिए अदालत में उपस्थित होते हैं, तो पुलिस राष्ट्रपति निवास से संवैधानिक न्यायालय तक के मार्ग को सुरक्षित करने के लिए कदम उठाएगी और रास्ते में उनके पक्ष या विपक्ष में प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को अलग करेगी।महाभियोग केस में फैसले की तारीख की घोषणा के तुरंत बाद ग्वांगह्वामुन स्क्वायर के पास यून विरोधी प्रदर्शनकारियों ने, जहां वे रात भर धरना दे रहे थे, इसका स्वागत किया और निलंबित राष्ट्रपति को तत्काल पद से हटाने के नारे लगाए। लॉयर्स फॉर ए डेमोक्रेटिक सोसाइटी के अध्यक्ष यून बोक-नाम, जिन्हें मिनब्यून के नाम से भी जाना जाता है, ने बताया कि यून के महाभियोग के फैसले की तारीख बहुत देर से आई है, लेकिन फिर भी यह राहत की बात है।

नेतन्याहू ने रद्द की इजरायली सुरक्षा एजेंसी के नए प्रमुख की नियुक्ति

यरूशलम (ए.)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) एली शार्विट को इजरायली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट का नया प्रमुख नियुक्त करने का फैसला वापस ले लिया। राजनीतिक सहयोगियों के विरोध और अपने सहयोगियों से जुड़ी जांच के बाद उन्होंने यह फैसला लिया।नेतन्याहू ने सात उम्मीदवारों के इंटरव्यू के बाद शार्विट की नियुक्ति की घोषणा की थी। हालांकि, हाल के घटनाक्रमों ने उन्हें नियुक्ति रद्द करने के लिए मजबूर कर दिया।

यह विवाद चल रही कतरगेट जांच से उपजा है, जिसमें नेतन्याहू के दो करीबी सहयोगी जोनाथन उरीच और एली फेल्डस्टीन फंस गए हैं।

यह जांच व्यापारिक हस्तियों और अधिकारियों के एक कथित नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूम रही है, जो दोहा से इजरायली व्यापारिक हितों को भुगतान की सुविधा प्रदान करते हैं, लेकिन फंड्स के स्रोत को छिपाते हैं।

जांच एक बड़े खुलासे के बाद शुरू हुई। दरअसल सामने आया कि नेतन्याहू के पूर्व प्रवक्ता फेल्डस्टीन प्रधानमंत्री कार्यालय में रहते हुए इजरायली पत्रकारों के बीच दोहा समर्थक बयानों को बढ़ावा दे रहे थे। इसके लिए वह कतर की ओर से अनुबंधित एक अंतरराष्ट्रीय फर्म के साथ मिलकर काम करते थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनवात्रा ने बैंकॉक, थाईलैंड में एक बैठक के दौरान उपहारों का आदान-प्रदान किया।

नेपाल : पूर्व राजा पर भड़के पीएम ओली, कहा - दोषी पाए गए तो करना होगा सजा का सामना

काठमांडू , (आरएनएस)। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले राजशाही समर्थकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि 28 मार्च की हिंसा में दोषी पाए जाने पर पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह को भी नहीं बख्शा जाएगा।स्थानीय मीडिया के अनुसार सोमवार को प्रतिनिधि सभा की बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक वीडियो बयान के जरिए शाह पर प्रदर्शनकारियों को भड़काने का आरोप लगाया।ओली ने कहा कि पूर्व राजा समेत आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को सजा से छूट नहीं दी जाएगी।प्रधानमंत्री ने सवाल किया, क्या सिंहासन वापस पाने की आकांक्षा रखने वालों को विरोध और उसके परिणामों पर अपनी स्थिति सार्वजनिक रूप से नहीं बतानी चाहिए? ओली ने संसद में कहा, उन्हें (पूर्व राजा को) किसी भी तरह से सजा से छूट नहीं दी जाएगी। जो लोग वर्तमान व्यवस्था को उखाड़ फेंकने और राजशाही को दोबारा स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें 28 मार्च की घटनाओं पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। इन भयावह कृत्यों के दोषियों को कड़ी कानूनी कार्रवाई का सामना करना होगा। संसद को संबोधित करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के सांसदों को संविधान को खत्म करने से बचने की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि वे चार्टर की रक्षा करने के लिए शपथबद्ध हैं।इस बीच, ओली के भाषण ने संसद में आरपीपी के सांसदों के विरोध को भड़का दिया।नेपाल के प्रमुख दैनिक काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पार्टी प्रमुख राजेंद्र लिंगडेन ने 2008 में राजशाही के खात्मे के बाद से ही रिपब्लिकन पार्टियों पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद सदन की बैठक में बोलते हुए, आरपीपी नेता लिंगडेन ने चेतावनी दी कि अगर लोग चाहें तो रिपब्लिकन व्यवस्था को पलटा जा सकता है। उन्होंने कहा, क्या दंगों के लिए केवल प्रदर्शनकारी ही जिम्मेदार थे? क्या स्थिति को नियंत्रण में लेना सरकार का कर्तव्य नहीं था?

कलेक्टर ने पार्वती परियोजना के बांध का किया निरीक्षण

इस साल आंशिक रूप से भरा जाएगा पार्वती बांध

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. ने पार्वती परियोजना के बनाए गए बांध एवं बांध स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने परियोजना के बारे में संबंधित अधिकारियों से विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन लोगों को परियोजना के तहत अन्य स्थानों पर विस्थापित किया गया, उन्हें उस भूमि का प्रमाण पत्र प्रदान करें, ताकि वह उस स्थान पर विद्युत कनेक्शन सहित अन्य सुविधाओं का लाभ ले सकें। पार्वती परियोजना के अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष बांध को आंशिक रूप से भरा जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह परियोजना 1815.54 करोड़ रूपये लागत की है तथा इसका जल ग्रहण क्षेत्र 3150 वर्ग किलोमीटर है। इसका सिंचाई क्षेत्र 48000 हैक्टेयर है। पार्वती परियोजना के अंतर्गत डूब क्षेत्र 3041.36 हेक्टेयर है, जिसमे कुल निजी भूमी 2012.41 हेक्टेयर तथा सीहोर जिले की निजी भूमी 901.53 हेक्टेयर, शासकीय भूमी कुल 925.48 हेक्टेयर, वन भूमी शून्य हेक्टेयर है। इसके साथ ही कुल 41 ग्राम डूब से प्रभावित हैं, जिसमें राजगढ़ के 02 एवं सीहोर के 02 ग्राम पूर्ण डूब प्रभावित हैं तथा राजगढ़ के 19 एवं सीहोर के 18 ग्राम आंशिक रूप से डूब प्रभावित हैं। परियोजना के तहत डूब क्षेत्र में आने वाली भूमि का सभी प्रभावितों को मुआवजे वितरित किया जा चुका है।

शासकीय महिला आईटीआई में रोजगार कैंप 08 अप्रैल को, कैंप में की जाएगी 1250 पदों पर भर्ती

सीहोर (निप्र)। शासन के निर्देशानुसार रोजगार विभाग द्वारा युवा संगम के तहत सीहोर स्थित शासकीय महिला आईटीआई कॉलेज में 08 अप्रैल को प्रातः 10:30 से 03 बजे तक रोजगार कैंप आयोजित किया जाएगा। इस रोजगार कैंप में निजी क्षेत्र की एलटी क्रिस क्रॉप प्रालि, शिवशक्ति एग्रीटेक लि, जीएसएस प्रीलि, हेटेराईज इंफोटेक प्रालि, कोडरविंग, नवभारत फर्टिलाइजर, पुखराज हेल्थ केयर प्रा लि कम्पनियों द्वारा 1250 से अधिक पदों पर युवाओं की भर्ती की जाएगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ और कर्मचारी संगठनों ने संयुक्त रुप से सौंपा ज्ञापन

सीहोर (निप्र)। गुरुवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी कल्याण संघ एवं अन्य कर्मचारी संगठनों ने विगत 29 मार्च 2025 को प्रदीप शर्मा मुख्य नगरपालिका अधिकारी दमोह के निवास पर जाकर स्थानीय ठेकेदार विवेक अग्रवाल और छुट्टू यादव के द्वारा उनके मुंह पर काली स्याही लगाने का दुष्कृत्य किया गया जिससे न केवल श्री शर्मा वरन विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों की न केवल प्रतिष्ठा खराब हुई है वरन सभी के मनोबल का भी हिरास हुआ है। जिसको लेकर आज संगठनों ने मिलकर मुख्यमंत्री को कलेक्टर द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। इस अवसर पर ज्ञापन सौंपने वालों में विनोद कुमार प्रजापति, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, भूपेंद्र कुमार दीक्षित मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका सीहोर, प्रफुल्ल गठरे मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भेरूंदा, छुट्टन चावरिया जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश सफाई कर्मचारी यूनियन इंटक कांग्रेस, संजय शुक्ला जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ जिला सीहोर, विनोद बोयत जिला अध्यक्ष मध्य प्रदेश मजदूर संघ सीहोर एवं अधिकारी कर्मचारीगण विजय कोली सहायक यंत्री, विष्णु प्रसाद मीणा सहायक लेखा अधिकारी, चंद्र प्रकाश राठौर, राज सिंह, वैभव लोवानिया, जितेंद्र नाथ, हरीश सोलंकी, कमोद सिंह, तिलक खाती, रेखा बोयत समस्त नगर पालिका कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला पंचायत सीईओ ने किया संपर्क विहीन बसाहटों के सर्वे का निरीक्षण

संपर्क विहीन बसाहटों को सूचीबद्ध करने के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने जिले के ग्राम तकीपुर का भ्रमण कर ग्राम संपर्कता एप से किये जा रहे संपर्क विहीन बसाहटों के सर्वे का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वयं उपस्थित रहकर ग्राम रोजगार सहायक से सर्वे प्रारंभ कराया और पूर्ण भी कराया। उन्होंने रोजगार सहायक एवं ग्रामीणों से बसाहटों की संपर्कता के संबंध में चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम की संपर्क विहीन अन्य बसाहटों को सूचीबद्ध कर जनपद पंचायतों में प्रस्तुत किया जाये, ताकि आगामी वर्षों में इन बसाहटों को संपर्कता प्रदान करने की कार्यवाही की जा सके। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार जिन संपर्क विहीन बसाहटों की आबादी 100 से अधिक है, उन्हें संपर्कता प्रदान करने के लिए ग्राम पंचायत के रोजगार सहायकों द्वारा संपर्कता एप के माध्यम से सर्वे कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के महाप्रबंधक यशवंत सक्सेना एवं सहायक प्रबंधक उपस्थित थे।

जिला पंचायत सीईओ ने किया किसान सुविधा केंद्र का निरीक्षण

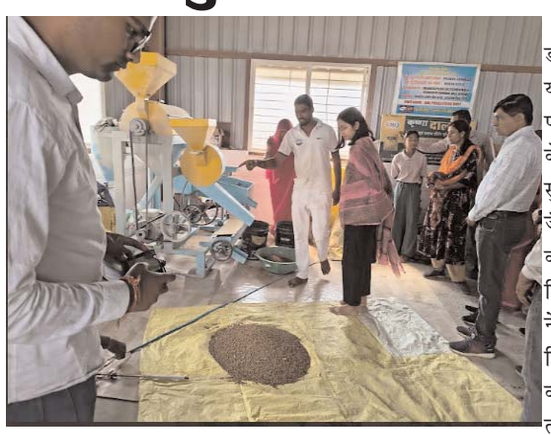

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 वाटरशेड विकास अन्तर्गत ग्राम पंचायत इमलीखेड़ा स्थित किसान सुविधा केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने किसान सुविधा केन्द्र अंतर्गत संचालित गतिविधियों जैसे घी यूनिट, मावा यूनिट एवं दाल यूनिट का निरीक्षण कर विस्तार से जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन को जानकारी दी गई कि इस किसान सुविधा केंद्र में घी एवं मावा यूनिट का संचालन राधिका स्व सहायता समूह द्वारा तथा दाल मिल का संचालन कृष्णा स्व सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है, जो कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना द्वारा वृहद गतिविधि अंतर्गत वित्त पोषित है। परियोजना द्वारा 12 स्व सहायता समूहों को आजीविका गतिविधियों के अंतर्गत गिर गाय पालन के लिए वित्त पोषित किया गया है, जिनका दूध का संग्रहण कर राधिका स्व सहायता समूह द्वारा घी बनाने का कार्य किया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ ने स्व सहायता समूहों द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की एवं आवश्यक सुझाव भी दिए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि जिले की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सभी जनपदों में अधिक से अधिक आर्थिक गतिविधियां प्रारंभ की जाएं। महिलाओं को प्रशिक्षित किया जाए, ताकि स्व सहायता समूहों द्वारा जो भी आर्थिक इकाई स्थापित की जाए या जो भी व्यवसाय प्रारंभ किया जाए, उसका सफलतापूर्वक संचालन किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही सभी योजनाओं का महिलाओं को लाभ दिलाएं।

बच्चों के शिक्षक बने एसडीएम-तहसीलदार, क्लास लेकर दिया मार्गदर्शन

सीहोर (निप्र)। प्रदेश के साथ ही जिले में स्कूल चले हम अभियान एक अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। यह अभियान 01 अप्रैल से 04 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत जिले के सभी स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर आष्टा एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा एवं सीहोर नगर तहसीलदार श्रीमती नीलम परसेंडिया सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आवंटित स्कूलों मे जाकर बच्चों के साथ संवाद किया एवं पढ़ाई तथा भविष्य की रणनीति के बारे में चर्चा की और बच्चों का मार्गदर्शन किया। अधिकारियों ने स्कूल में जाकर बच्चों की क्लास ली और उनसे पढ़ाई के बारे में चर्चा की। उन्होंने बच्चों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति के बारे में पूछा और उन्हें बेहतर अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया।

कनेक्शनों की जांच के दौरान प्रबंध संचालक ने पकड़ी बिजली की चोरी

जूनियर इंजीनियर पर कार्यवाही के साथ मीटर रीडर की सेवा समाप्त

सीहोर (निप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने गत दिवस सीहोर संभाग के अम्लाहा वितरण केंद्र अंतर्गत अनेक घरेलू और गैर घरेलू कनेक्शनों की जाँच की। जांच के दौरान हाईवे किनारे स्थित रेस्टोरेंट में स्थापित अस्थाई कनेक्शन का मीटर खराब पाए जाने पर वितरण केन्द्र अम्लाहा के जूनियर इंजीनियर सत्येन्द्र सिंह के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही के साथ ही एक मीटर रीडर की सेवाएं समाप्त करते हुए ब्लैक लिस्ट करने की कार्यवाही की गई है।

निरीक्षण के दौरान प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने अम्लाहा कस्बे का भ्रमण कर घरेलू उपभोक्ताओं के परिसरों तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों में लगे विद्युत कनेक्शनों की जाँच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कुछ कनेक्शनों में अनियमितता पाए जाने पर अधिकारियों को विधिवत कार्यवाही करने के साथ ही नियमित रूप से चैकिंग करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने इस दौरान ग्राम धामंदा का निरीक्षण किया जहाँ अधिकतर घरेलू और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में बिना मीटर के डायरेक्ट बिजली चोरी करते पाए जाने पर संबंधित उपयोगकर्ताओं के खिलाफ विद्युत अधिनियम की सुसंगत धाराओं में कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। प्रबंध संचालक ने इस दौरान सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए विद्युत के अवैध उपयोग पर रोकथाम लगाने के साथ ही जहां पर बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है वहां विधिवत प्रक्रिया पूर्ण करने पर वैध कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निदेशक (वाणिज्य) सुधीर कुमार श्रीवास्तव, मुख्य महाप्रबंधक भोपाल क्षेत्र अमृतपाल सिंह, महाप्रबंधक सीहोर वृत्त सुधीर कुमार शर्मा, उप महाप्रबंधक सीहोर संभाग अमित राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

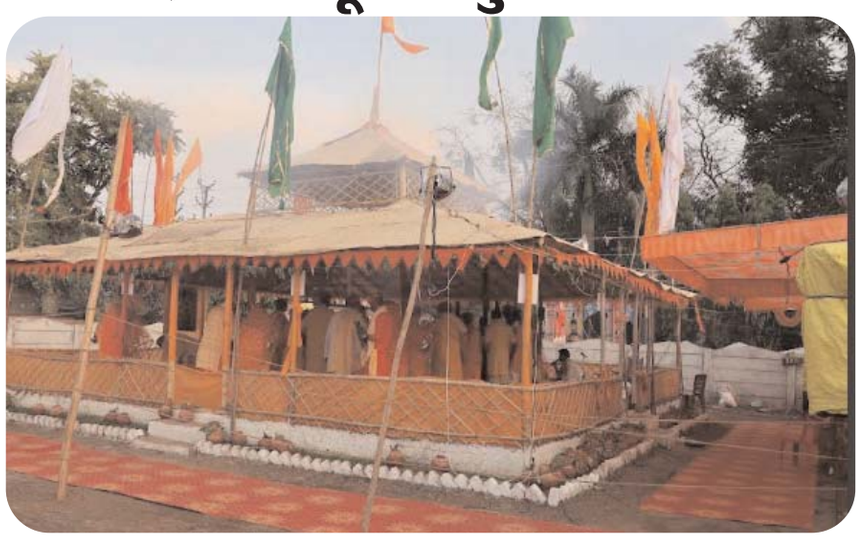

पांच दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा दिव्य अनुष्ठान, छह अप्रैल का पूर्ण आहुति का आयोजन

सीहोर (निप्र)। राठौर समाज कस्बा के द्वारा भगवान श्रीराम दरबार शिव परिवार और राधा कृष्ण हनुमान जी की प्रतिमा के लिए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई थी, वहीं गुरुवार को यज्ञ शाला में मंडल देवता, आव्हान पूजन, अग्रि स्थापना, हवन आरंभ और प्रतिमा का जलाधिवास का आयोजन किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए मंदिर समिति की ओर से धर्मेन्द्र राठौर ने बताया कि शुक्रवार को नित्य पूजन, हवन, घृत, शर्कराधिवास, गंध-धूपाधिवास, फलाधिवास और मिष्ठानाधिवास अन्य दिव्य पूजन अर्चना की जाएगी। श्री राठौर ने बताया कि पूर्णाहुति का आयोजन और प्राण-प्रतिष्ठा आगामी छह अप्रैल को रामनवमी पर पंडित पृथ्वीवल्लभ दुबे के सानिध्य में किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से महोत्सव में शामिल होने की अपील की है।

विधायक कप के सेमीफाइनल में पहुंची लाड़कुई टीम

सीहोर (निप्र)। भाजपा नगर मंडल के तत्वाधान में शहर के भोपाल नाके स्थित पीजी कालेज मैदान पर विधायक कप का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में लाडकुई ने प्रवेश किया है। इस मैच में लाड़कुई ने कुडी इलेवन को 55 रन से हराया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आयोजक जितेन्द्र यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में 32 टीम खेल रही है और हर मैच रोमांच हो रहा है। गुरुवार को लाडकुई टीम ने कुडी इलेवन को 55 रन के विशाल अंतर से हराकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस मैच में लाडकुई इलेवन ने पहले खेलते हुए पांच विकेट पर 114 रन बनाए थे। वहीं जवाब में कुडी की पूरी टीम सात ओवर में 59 रन ही बना सकी। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में एक रोमांचक मैच देखने को मिला। इसमें खाटू श्याम ने निर्धारित आठ ओवर में तीन विकेट खोकर 151 रन बनाए थे। इसमें अभिषेक ने मात्र 31 गेंद पर शतक 100 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लाइब्रेरी की टीम 150 रन ही बना सकी। इस रोमांचक मैच में खाटू श्याम की टीम ने जीत हासिल की। इधर स्क्रोरपियन टीम ने सुदेश राय क्लब को नौ रन से हराया। इसमें स्क्रोरपियन टीम ने 122 रन बनाए थे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुदेश राय की टीम 113 रन ही बना सकी। इसके अलावा एक अन्य मैच एसआर और रंगीला क्लब के मध्य खेला गया। इसमें एसआर ने 127 रन बनाए थे। मंडी ने दो विकेट खोकर यह मैच आठ विकेट से जीत लिया।

भाजपा नगर मंडल की बैठक में कार्यक्रमों का खाका तैयार,6 से 14 अप्रैल तक स्थापना दिवस, गांव चलो अभियान और अंबेडकर जयंती मनाएंगे

सीहोर (निप्र)। गुरुवार को शहर के लीसा टाकीज स्थित सीहोर विधायक कार्यालय में भाजपा नगर मंडल के तत्वाधान में भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुईइस संबंध में जानकारी देते हुए भाजपा नगर मंडल के अध्यक्ष सुदीप प्रजापति ने बताया कि प्रदेश भाजपा के द्वारा आगामी 6 अप्रैल से होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में प्रभारी के रूप में शिवम सोनी, गोपाल सोनी के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पार्षद मौजूद थे। पार्टी 6 अप्रैल को अपना स्थापना दिवस मनाएगी। इसी दिन से 7 अप्रैल तक सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती का आयोजन होगा। बूथ स्तर के कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाएंगे। वे योजनाओं के लाभार्थियों से भी मिलेंगे।प्रभारी सोनी ने बताया कि पार्टी के सभी संभागीय एवं जिला कार्यालयों सहित कार्यकर्ताओं के घरों पर पार्टी का झंडा फहराना है, सेल्फी लेना है और उन्हें सोशल मीडिया पर हैशटैग के साथ पोस्ट करना है।

समस्त पार्टी कार्यालय को सजाना है और मिठाइयाँ बॉटनी हैं। जिला स्तर पर प्रदर्शनी तैयार करके उन्हें प्रदर्शित करना है। 6 अथवा 7 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक सदस्यों को एकत्रित होना है और पार्टी का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाना है। 8 और 9 अप्रैल को मंडल या विधानसभा स्तर पर सभी सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना है और सम्मलेन में 3 वक्ताओं द्वारा निम्नलिखित 3 विषय प्रस्तुत किए जाने हैं, भाजपा की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार। भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन।

नीलकंठ भैरूंदा ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना के 06 ग्रामों में 04 अप्रैल को जल प्रदाय बाधित

सीहोर (निप्र)। नीलकंठ भैरूंदा ग्रामीण समूह जलप्रदाय योजना द्वारा भैरूंदा विकासखंड के 44 ग्रामो में पेयजल प्रदाय किया जाता है। ग्राम सोहन खेड़ी में योजना की पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण योजना के 6 ग्रामो नन्दकोट, नीमाखेडी, सोहनखेडी, टिगाली, बालागांव एवं सातदेव में 04 अप्रैल को जलप्रदाय पूर्ण रूप से बाधित रहेगा।

मरीह माता मंदिर में हर दिन होती माता की आराधना और कन्या भोज

-अष्टमी के दिन होगी महा निशा की आरती और सात अप्रैल को विशाल भंडारे का आयोजन

-31 सौ से अधिक देवी मंत्रों और सप्तशती पाठ के साथ स्कंद माता की पूजा-अर्चना की

सीहोर (निप्र)। हर साल की तरह इस साल भी शहर के विश्राम घाट के पास चौसठ योगनी मरीह माता मंदिर में चैत्र नवरात्रि के मौके पर प्रतिदिन सुबह हवन और आरती का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को 31 सौ से अधिक देवी मंत्रों और सप्तशती पाठ के साथ स्कंद माता की पूजा-अर्चना की। उसके बाद जिला संस्कार मंच की ओर से मंदिर के व्यवस्थापक रोहित मेवाड़ा सहित अन्य ने कन्याओं को फल का वितरण किया। इस मौके पर महिला मंडल ने मेरी शेरा वाली मां, तेरे चरणों की धूल यदि मिल जाए तो मेरा बेड़ा पार हो जाए आदि गीतों की प्रस्तुति देकर भजनों की बयार बहा दी। कार्यक्रम के दौरान जिला संस्कार मंच की ओर से जितेन्द्र तिवारी, मनोज दीक्षित मामा, सुनील चौकसे, पंडित उमेश दुबे, धर्मेन्द्र माहेश्वरी आदि शामिल थे।

प्रतिदिन माता का श्रृंगार किया जा रहा है। महाअष्टमी को दोपहर बारह बजे कन्याओं को हलवा-पुड़ी, खीर के साथ प्रसादी का वितरण किया जाएगा। वहीं रात 12 बजे महानिशा आरती का आयोजन किया जाएगा। इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे। जिला संस्कार मंच के संयोजक मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि नवरात्रि साल में दो बार आती है एक चैत्र नवरात्र और दूसरा शारदीय नवरात्र। हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का बेहद महत्व है। इसके माध्यम से मां दुर्गा की पूजा की जाती है और मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। चैत्र नवरात्रि के नौ दिनों में हर दिन का अपना खास महत्व है। हर दिन एक देवी की पूजा की जाती है। पहले तीन दिनों में मां दुर्गा की पूजा की जाती है। चौथे और पांचवें दिन मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। आखिरी चार दिनों में मां सरस्वती की पूजा की जाती है जो ज्ञान की देवी हैं। स्कंदमाता पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर मां का फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया था। पंडित दीक्षित ने बताया कि चैत्र नवरात्रि का पांचवां दिन है। इस दिन मां दुर्गा के पंचम स्वरूप मां स्कंदमाता का पूजन होता है। भगवान शिव और पार्वती के पहले पुत्र हैं कार्तिकेय, उनका ही एक नाम है स्कंद। कार्तिकेय यानी स्कंद की माता होने के कारण देवी के पांचवें रुप का नाम स्कंद माता है। उसके अलावा ये शक्ति की भी दाता हैं। सफलता के लिए शक्ति का संचय और सृजन की क्षमता दोनों का होना जरूरी है। माता का ये रूप यही सिखाता है और प्रदान भी करता है। भगवान शिव और पार्वती के पहले पुत्र हैं कार्तिकेय, उनका ही एक नाम है स्कंद। कार्तिकेय यानी स्कंद की माता होने के कारण देवी के पांचवें रुप का नाम स्कंद माता है। उसके अलावा ये शक्ति की भी दाता हैं। सफलता के लिए शक्ति का संचय और सृजन की क्षमता दोनों का होना जरूरी है। माता का ये रूप यही सिखाता है और प्रदान भी करता है। इस मौके पर मंदिर के प्रबंधक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, जितेन्द्र तिवारी, पंडित उमेश दुबे, पंडित गणेश शर्मा, सुनिल चौकसे, रामू सोनी सहित अन्य शामिल थे।

आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा दो दिवसीय इन्टर स्कूल फुटबाल प्रतियोगिता

सीहोर (निप्र)। प्रति वर्ष के तरह इस वर्ष भी खेल प्रतिभाओं को मंच देने और उनकी प्रतिभाओं को उभारने के लिए आईईएस पब्लिक स्कूल द्वारा 2 दिवसीय इंटर स्कूल फुटबॉल अंडर 17 टूर्नामेंट का आरंभ आईईएस कैम्पस के फुटबॉल ग्राउन्ड में किया गया जिसमे आईईएस पब्लिक स्कूल सहित 10 टीम ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कमलेश अग्रवाल, मप्र फुटबॉल संघ के संयुक्त सचिव एवं जिला सचिव सीहोर, मुख्य आतिथि, आनंद उपाध्याय, संयुक्त सचिव जिला फुटबॉल संघ एवं देवांश सिंह, सीईओ, आईईएस यूनिवर्सिटी भोपाल द्वारा किया गया।प्रतियोगिता का पहला मैच भोपाल अकादमी एवं आईईएस ए टीम के बीच खेला गया इसमें भोपाल अकादमी 4-2 से विजयी रहा दूसरा मैच ग्लोबल स्कूल एवं आवसी बीच खेला गया जिसमें ग्लोबल स्कूल 3-0 विजेता रही स्कोर रहा। तीसरा मैच आईईएस पब्लिक स्कूल ब एवं भोपाल अकादमी के बीच खेला गया

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा कलेक्ट्रेट के सामने कलेक्ट्रेट रोड सीहोर म.प्र. से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना।
स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com